सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

स्टेन का बड़ा बयान: 'टॉप ऑर्डर में खेलते तो केएल राहुल बन जाते 'शतक मशीन -पेज: 7

मैं राजनीति के लिए नहीं बनी, बॉलीवुड के पेमेंट गैप पर भी बोली -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 237 | शनिवार 06 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

एसआईआर का आंकड़ा प्रकाशित करे, बीएलओ पर जानलेवा दबाव न डाला जाए : अखिलेश यादव

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अब तक हुए काम को प्रकाशित करने और यह सुनिश्चित करने की मांग की कि बूथ स्तरीय अधिकारियों बीएलओ पर जानलेवा दबाव न डाला जाए। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में मांग की कि राज्य में एसआईआर का जितना भी काम हुआ है उसका आंकड़ा प्रकाशित किया जाए। उन्होंने कहा बीएलओ पर जानलेवा दबाव हटाकर अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप इस काम पर लगाया जाए। यादव ने कहा कि सुनिश्चित किया जाए कि सत्ताधारियों के दल और उनके संगी-साथी पिछले दरवाजे से इस काम में अब नहीं हैं और न आगे कभी होंगे। सपा प्रमुख ने मांग की, इस बात की पक्की जांच-पड़ताल हो कि हर विधानसभा में पीडीए समाज के कितने लोगों को मतदाता सूची से हटाने की साजिश की जा रही है

भारत-रूस की दोस्ती ध्रुवतारे जैसी, आतंकवाद के खिलाफ दोनों देश एकजुट : पीएम मोदी

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद जारी साझा बयान में कहा कि भारत और रूस की मित्रता एक ध्रुवतारे की तरह अटल और स्थिर है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत और रूस पूरी मजबूती से एकजुट हैं। भारत के प्रति गहरी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रपति पुतिन का हृदय से आभार पीएम मोदी ने कहा, आज भारत और रूस के 23वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति पुतिन का स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब हमारे द्विपक्षीय संबंध कई ऐतिहासिक मील के पत्थरों से गुजर रहे हैं। ठीक

25 वर्ष पहले राष्ट्रपति पुतिन ने हमारी रणनीतिक साझेदारी की नींव रखी थी। वर्ष 2010 में इस साझेदारी को विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का दर्जा मिला। पिछले ढाई दशकों में उनके नेतृत्व और दूरदर्शिता ने इन संबंधों को लगातार मजबूत किया है। भारत के प्रति उनकी गहरी मित्रता और अटूट प्रतिबद्धता के लिए मैं राष्ट्रपति पुतिन का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। भारत-रूस की मित्रता समय की कसौटी पर हमेशा खरे उतरे हैं उन्होंने आगे कहा कि पिछले आठ दशकों में विश्व ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। मानवता कई चुनौतियों और संकटों से गुजरी है, लेकिन इन सबके बीच भारत रूस की मित्रता स्थिर और प्रगाढ़ है। परस्पर सम्मान और गहरे विश्वास पर आधारित यह संबंध समय की कसौटी पर हमेशा खरे उतरे हैं। आज हमने इस मजबूत नींव पर सहयोग को और व्यापक बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की विस्तृत समीक्षा की है। भारत-रूस व्यापार मंच से दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों को नई गति मिलेगी पीएम

भारत ने शुरूआत से ही शांति का पक्ष लिया...

पीएम मोदी ने कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। यूक्रेन मसले पर भारत ने शुरूआत से ही शांति का पक्ष लिया है और शांतिपूर्ण, स्थायी समाधान के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों का स्वागत करता है।

मोदी ने बताया कि आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना दोनों देशों की प्राथमिकता है। इसी दिशा में 2030 तक के लिए इकोनॉमिक कोऑपरेशन प्रोग्राम पर सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि भारत-रूस व्यापार मंच से दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों को नई गति मिलेगी और इससे निर्यात, सह-उत्पादन और सह-नवाचार के नए अवसर खुलेंगे। कृषि और उर्वरक के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण उन्होंने कहा कि यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ एफटीए को जल्द अंतिम रूप देने के प्रयास तेज किए जा रहे हैं। कृषि और उर्वरक के क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग खाद्य सुरक्षा और किसानों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है मुझे खुशी है कि यूरिया उत्पादन को लेकर दोनों पक्ष मिलकर प्रयास कर रहे हैं, उन्होंने कहा। भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पीएम मोदी ने यह भी बताया कि भारत के नाविकों की पोलर वॉटर में ट्रेनिंग के लिए सहयोग बढ़ाया जाएगा इससे आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग को नई शक्ति मिलेगी और भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे जहाज निर्माण के क्षेत्र में गहरा सहयोग मेक इन इंडिया को और सशक्त करेगा तथा रोजगार कौशल विकास और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देगा। ऊर्जा सुरक्षा भारत रूस साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ ऊर्जा सुरक्षा को भारत रूस साझेदारी का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में दशकों पुराना सहयोग स्वच्छ ऊर्जा की साझा प्राथमिकताओं को साकार करने में अहम भूमिका निभाता रहा है।

राष्ट्रपति पुतिन ने रूसी तेल खरीदने को लेकर दिया बड़ा ऑफर, बोले- भारत के लिए बिना रुकावट जारी रहेगा शिपमेंट

नई दिल्ली एजेंसी: रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आज शुक्रवार को रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत के लिए बड़ा ऐलान किया है। पुतिन ने कहा कि भारत के लिए बिना रुकावट तेल का शिपमेंट जारी रहेगा। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, हम बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की बिना रुकावट शिपमेंट जारी रखने के लिए तैयार हैं। यह घोषणा तब हुई जब दोनों देशों ने फर्टिलाइजर और फूड सेफ्टी से लेकर शिपिंग और मैरीटाइम लॉजिस्टिक्स तक अलग-अलग क्षेत्रों में समझौते किए हैं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग पर जोर देते हुए कहा, भारत और रूस 2030 तक व्यापार बढ़ाने के लिए एक आर्थिक सहयोग

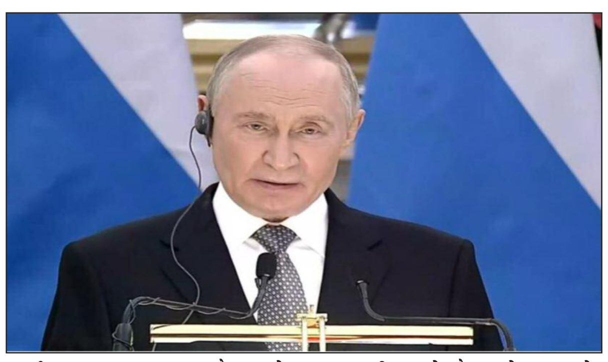

कार्यक्रम पर सहमत हुए हैं। इससे पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने इस हफ्ते की शुरूआत में कहा कि रूस को उम्मीद है कि वह भारत को अपना तेल निर्यात फिर से बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के कारण आई मौजूदा गिरावट को वह अस्थायी मानते हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद भारत रूस के समुद्री तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था। हालांकि, हाल ही में अमेरिका ने रूस के बड़े तेल प्रोड्यूसर रोसनेफ्ट और लुकोइल पर बैन लगा दिया। इसकी वजह से भारत ने कच्चे तेल के आयात में कटौती की है। इसके बाद, यूरोप ने भी रूसी क्रूड ऑयल से बने पेट्रोलियम प्रोडक्ट की खरीद पर बैन लगाने का ऐलान किया है। भारत-रूस के बीच 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार 65.70 बिलियन डॉलर था, जिसमें 4.26 बिलियन डॉलर का भारतीय निर्यात और 61.44 बिलियन डॉलर का आयात शामिल था। दोनों देशों का मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक ले जाना है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, हम एक-दूसरे के देशों में फिल्म फेस्टिवल का आयोजन कर रहे हैं। आज, एक रूसी टीवी चैनल भारत में ब्रॉडकास्ट करना शुरू करेगा। इससे भारत को रूस के बारे में और जानने में मदद मिलेगी। हमने कुछ ग्लोबल मुद्दों पर भी बात की है।

भाजपा नेता दिलीप घोष का आरोप, बंगाल में 10% फर्जी मतदाताओं को बचाने के लिए टीएमसी कर रही एसआईआर का दुरुपयोग

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता दिलीप घोष ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध करने और उसका दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया की अनदेखी करने से 10% फर्जी मतदाता बिना जाँच के रह जाएँगे, जिससे पूरी एसआईआर प्रक्रिया कमजोर हो जाएगी। एएनआई से बात करते हुए, घोष ने कहा कि टीएमसी ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर का विरोध तो किया ही है, साथ ही इस प्रक्रिया का दुरुपयोग भी किया है। उन्होंने अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बीएलओ पर दबाव डाला है... पूरा सत्यापन किया

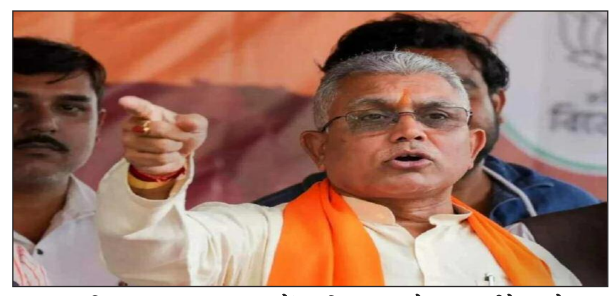

जाना चाहिए; अन्यथा, राज्य में 10% फर्जी मतदाता बने रहेंगे, और पूरी एसआईआर प्रक्रिया बेकार हो जाएगी। पश्चिम बंगाल 11 अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एसआईआर प्रक्रिया कर रहा है। राज्य में विधानसभा चुनाव 2026 में होने की संभावना है। इस बीच, गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गई विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद में 40 लोगों की जान जा चुकी है और इसका इस्तेमाल राज्य सरकार को अस्थिर करने के लिए किया जा रहा है। मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये और अस्पताल में भर्ती लोगों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा करते हुए, बनर्जी ने केंद्र पर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों में चुनिंदा रूप से एसआईआर लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एसआईआर के कारण 40 लोगों की मौत हो गई है। 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की गई है। अस्पताल में भर्ती लोगों के लिए यह राशि 1 लाख रुपये है... राज्य सरकार को काम न करने देने के लिए, चुनावों से ठीक तीन महीने पहले एसआईआर की घोषणा की गई। बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम में चुनाव हो रहे हैं। तमिलनाडु और केरल में एसआईआर लागू होगा क्योंकि भाजपा सत्ता में नहीं है। पश्चिम बंगाल में यह लागू हो रहा है क्योंकि भाजपा सत्ता में नहीं है। सीमावर्ती राज्यों में एसआईआर क्यों नहीं लागू हो रहा है जहाँ भाजपा सत्ता में है?

अमित शाह ने स्वदेशोत्सव 2025 का किया उद्घाटन, आत्मनिर्भर भारत के विजन को मिला नया मंच

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय मैदान में 'स्वदेशोत्सव 2025' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी उपस्थित थे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह राष्ट्रव्यापी एक्सपो 5 दिसंबर, 2025 से 9 दिसंबर, 2025 तक चलेगा। उद्घाटन समारोह के बाद, गृह मंत्री ने स्वदेशी की शक्ति का प्रतीक 'स्वानुभूति प्रदर्शनी' का भी अनावरण किया। इस स्वदेशी उत्सव के दौरान ज्ञान और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष सेमिनार आयोजित किए गए हैं, ऐसा विज्ञप्ति में कहा गया है। तदनुसार, 5 दिसंबर को उद्घाटन दिवस पर पर्यावरण संकल्प सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 6 दिसंबर को

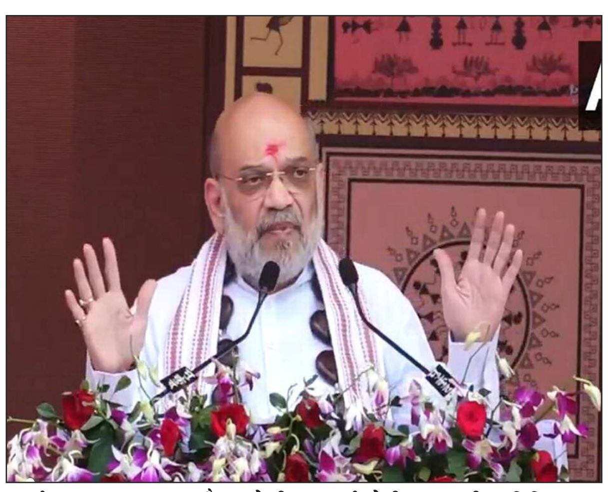

स्टार्टअप उड़ान 2025 और स्वदेशी संकल्प अभियान पर सत्र निर्धारित हैं। 7 दिसंबर के सत्र मातृशक्ति की भूमिका और साइबर सुरक्षा जागरूकता पर केंद्रित होंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 8 दिसंबर को आयुर्वेद और स्वास्थ्य के साथ-साथ बौद्धिक संपदा अधिकारों पर सेमिनार होंगे। अंतिम दिन, 9 दिसंबर को प्राकृतिक खेती और जैविक खेती पर चर्चा होगी। साथ ही, प्रतिदिन शाम 7:00 बजे से रात 10:00 बजे तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।स्वदेशोत्सव ज्ञान, कला और स्वदेशी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला को बढ़ावा देने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में कार्य करेगा। विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर स्वर्णिम जागरण मंच के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस की राह मुश्किल? फारूक अब्दुल्ला ने माना, अगले चार साल में करनी है बड़ी तैयारी

जम्मू-कश्मीर: नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) प्रमुख और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को जनता से समर्थन की अपील की और माना कि पार्टी पिछले एक साल में लोगों के लिए कुछ खास हासिल नहीं कर पाई। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी संस्थापक शेख अब्दुल्ला की 120वीं जयंती पर बोलते हुए, फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार ने एक साल में लोगों के लिए कुछ खास नहीं किया, लेकिन हमारे पास विकास के लिए चार साल और हैं, और लोगों को हमारा समर्थन करना चाहिए और हमें मजबूत करना चाहिए। दिवंगत शेख अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक प्रमुख हस्ती थे। फारूक अब्दुल्ला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हजरतबल के नसीम बाग स्थित उनके अंतिम विश्राम स्थल पर शेख अब्दुल्ला को पुष्पांजलि अर्पित की। इस बीच, गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घोषणा की कि सरकार ने एसआरओ-43 योजना का नाम बदलकर पुनर्वास सहायता योजना (आरएएस) कर दिया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत कश्मीर प्रांत के लिए आदेश जारी कर दिए गए हैं और अब तक 60 नियुक्ति पत्र वितरित किए जा चुके हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने आश्वासन दिया कि आरएएस योजना के तहत, यदि किसी सरकारी कर्मचारी की सेवाकाल के दौरान मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि इस योजना के तहत जम्मू में भी इसी तरह का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। अब्दुल्ला ने कहा कि यह योजना, जिसे पहले एसआरओ-43 के नाम से जाना जाता था,

पान मसाला पर उपकर लगाने वाला बिल लोकसभा में पास, कवच पर काम जारी

नई दिल्ली एजेंसी: संसद के शीतकालीन सत्र का आज पांचवा दिन है। ऐसे में आज भी देखा जाए तो दोनों ही सदनों में कामकाज जरूर हुए। हालांकि अलग-अलग मुद्दों को लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने कई बड़े सवाल खड़े किए और साथ ही साथ हंगामा भी किया जिसकी वजह से कार्यवाही को स्थगित भी करनी पड़ी। इंडिगो विमान के रद्द होने का भी मुद्दा संसद में खूब गुंजा। बावजूद इसके दोनों ही सदनों में आज सामान्य रूप से कामकाज देखने को मिला। वहीं, पान मसाला का विज्ञापन करने वाले अभिनेताओं के पुरस्कार वापस लेने की लोकसभा में मांग उठी। राज्यसभा में भाजपा सदस्य ने मालदा स्थित प्राचीन आदिनाथ हिंदू मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। बीजद सांसद ने पुरी निवासियों के लिए जगन्नाथ मंदिर में विशेष दर्शन व्यवस्था की मांग की। लोकसभा की कार्यवाही- लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान

वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ह्यस्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने विभिन्न संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति दे दी। चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि यह किसी भी वित्त मंत्री की जिम्मेदारी होती है कि राजस्व बढ़ाया जाए ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा किया जा सके, लेकिन यहां एक सरकार है जिसने कर के दायरे को घटाया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद जगदंबिका पाल ने इंडिगो एयरलाइन की सैकड़ों उड़ानें रद्द होने का मुद्दा शुक्रवार को लोकसभा में उठाते हुए कहा कि सप्ताहांत में कई सांसदों को अपने क्षेत्रों में लौटने में परेशानी आएगी और सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि हरियाणा में लिंगानुपात में सुधार के मामले में पिछले कुछ सालों में अच्छी प्रगति हुई है और 2022-23 के एसआरएस (नमूना पंजीकरण प्रणाली) के आंकड़ों के अनुसार इनमें 52 अंकों की वृद्धि हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने लोकसभा में कांग्रेस सदस्य दीपेंद्र हुड्डा के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए

राहुल गांधी को पुतिन से मिलने नहीं दिया गया या पुतिन खुद राहुल से मिलना नहीं चाहते? चक्कर क्या है?

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को उनसे मिलने नहीं देती। लेकिन भाजपा और सरकार ने इस आरोप को निराधार बताते हुए राहुल गांधी पर ही सवाल उठा दिया है। हम आपको बता दें कि भाजपा ने कहा है कि पिछले डेढ़ साल में राहुल गांधी ने न्यूजीलैंड, मॉरीशस, मलेशिया और बांग्लादेश के राष्ट्राध्यक्षों एवं प्रधानमंत्रियों सहित कम से कम पांच विदेशी नेताओं से मुलाकात की है। हम आपको बता दें कि राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि सरकार अपनी असुरक्षा के कारण विदेशी नेताओं से कहती है कि वे नेता प्रतिपक्ष से न मिलें। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के समय में विदेशी नेताओं को विपक्ष के नेता से भी मिलवाया जाता था। भाजपा ने राहुल गांधी के इस आरोप का न सिर्फ खंडन किया बल्कि उनके दायित्व निर्वहन की शैली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। भाजपा नेताओं ने याद दिलाया कि राहुल गांधी कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय समारोहों में शामिल ही नहीं हुए, जबकि एक ज़िम्मेदार नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे अपेक्षित था कि वह राष्ट्रीय महत्व और संविधान संबंधी आयोजनों में उपस्थित रहें। हम आपको बता दें कि राहुल गांधी इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह में

शामिल होने लाल किले नहीं गए थे, नये उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह में भी राहुल गांधी शामिल नहीं हुए थे और हाल ही में देश के नये प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत के शपथ ग्रहण समारोह में भी राहुल गांधी अनुपस्थित रहे थे। ऐसे में सवाल उठता है कि जो व्यक्ति राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक आयोजनों का सम्मान नहीं करता, वह सरकार पर दायित्व न निभाने के आरोप कैसे लगा सकता है? हम

हम आपको बता दें कि राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि सरकार अपनी असुरक्षा के कारण विदेशी नेताओं से कहती है कि वे नेता प्रतिपक्ष से न मिलें। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के समय में विदेशी नेताओं को विपक्ष के नेता से भी मिलवाया जाता था।

आपको बता दें कि भाजपा प्रवक्ता अनिल बलूनी ने राहुल गांधी की जिन बैठकों का विवरण दिया है उसके अनुसार 10 जून 2024 को वह बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना से मिले। 21 अगस्त 2024 को वह मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मिले। 8 मार्च 2025 को वह न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मिले। 16 सितंबर 2025 को वह मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से मिले। 1 अगस्त 2024 को वह वियतनाम के प्रधानमंत्री से मिले। इनमें से कई मुलाकातों में सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। इस बीच, सरकारी सूत्रों ने यह स्पष्ट किया है कि किसी विदेशी नेता की विपक्ष से मुलाकात उनके अपने कार्यक्रम और इच्छा पर निर्भर करती है, न कि सरकार के निर्देश पर। सूत्रों का यह भी कहना है कि रूस इस समय नाजुक मोड़ से गुजर रहा है ऐसे में संभवतः उसके नेता राहुल गांधी से नहीं मिलना चाहते क्योंकि राहुल गांधी को कई बार गैर-जिम्मेदार तरीके से टिप्पणियां करते हुए देखा गया है। यही नहीं, कई मौकों पर राहुल गांधी ने स्वयं विदेशी धरती पर भारत की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र के बारे में नकारात्मक टिप्पणियाँ की हैं, जिससे उनकी विश्वसनीयता कमजोर हुई है। देखा जाये तो राहुल गांधी का यह दावा कि सरकार विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को उनसे दूर रखती है, उपलब्ध तथ्यों की कसौटी पर टिक नहीं पाता। संसद में नेता प्रतिपक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद यह अपेक्षा करता है कि वह परिपक्वता, निरंतरता और संवैधानिक परंपराओं का पालन करें।

संपादकीय

हिंद-रूस दोस्ती जिंदाबाद

भारत और रूस की दोस्ती सात दशक पुरानी है। दो दोस्तों ने, इतने लंबे वक्त तक, कई तूफानों और इम्तिहानों के बावजूद, दोस्ती को बरकरार रखा है, यकीनन यह एक मिसाल है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत के प्रवास पर हैं। वह अपने साथ दोस्ती की नई पेशकशें और आयाम लेकर आए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के 5 दिसंबर को शिखर, द्विपक्षीय संवाद के बाद जो साझा बयान जारी किया जाएगा और जिन समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, उनके बाद दोस्ती, सहयोग, समर्थन नई ऊंचाइयां छुएंगे। राष्ट्रपति पुतिन ने भी रूस से यात्रा आरंभ करने से पूर्व इसी आशय का बयान दिया था। दरअसल रूस भारत को ऐसे 'रणनीतिक साझेदार' के रूप में स्वीकार करना चाहता है, जिसकी साझेदारी असीम, निस्सीम अर्थात सीमारहित हो। कोई सीमा नहीं, रूस और चीन की साझेदारी ऐसी है। रूस भारत को भी उन्हीं समीकरणों में देखना चाहता है। राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी इच्छा फिर दोहराई है कि रूस, भारत, चीन को एक 'तिकड़ी' बन जाना चाहिए। वह 'तिकड़ी' अमरीका से मुकाबला करने में सक्षम और सशक्त साबित होगी। बेशक पुतिन की यह इच्छा विचारणीय है, क्योंकि रूस पर अकेले अमरीका ने ही करीब 6500 पाबंदियां थोप रखी हैं। रूस पर कुल 26, 000 के करीब प्रतिबंध हैं। फिर भी रूस दबाव में नहीं है। उसका अस्तित्व यथावत है। उसकी अर्थव्यवस्था को ज्यादा धक्के नहीं लगे हैं। भारत और चीन ने रूस से कच्चा तेल खरीद कर उसकी आर्थिक मदद ही की है। हालांकि भारत ने अब यह खरीद एक-तिहाई कर दी है। कारण अमरीका का दबाव ही नहीं है। रूस यूक्रेन और परोक्ष रूप से अमरीका, यूरोप, नाटो देशों के खिलाफ लगातार युद्ध लड़ रहा है। रूस से कच्चा तेल लेने के कारण ही अमरीका ने भारत पर, जुर्माने के रूप में, 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ थोपा था। भारत पर कुल टैरिफ 50 फीसदी है। अमरीका चीन को भी टैरिफ की धमकियां देता रहा है। बहरहाल रूस भारत को 'असीमित' रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना चाहता है। रूसी संसद ने 'रेलोस' समझौते को भी मंजूरी दी है। उसके तहत भारत रूस के एयरबेस, नौसेना पोर्ट, युद्धपोत, सैन्य बल एवं साजो सामान, फ्यूल, संसाधन आदि इस्तेमाल कर सकेगा। रूस के 5 युद्धपोत, 10 सैन्य विमान, 3000 सैनिक आगामी 5 साल के लिए भारतीय जमीन पर तैनात किए जा सकेंगे। भारत की इतनी ही सैन्य ताकत रूसी जमीन पर तैनात होगी। यह समझौता 'रेसिप्रोकल एक्सचेंज ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट' (आरईएलओएस) है, जो रूसी संसद में पारित किया गया है। इससे भारत और रूस दो देश तो रहेंगे, लेकिन उनकी सैन्य-शक्ति 'एकाकार' हो जाएगी, जिसे सोच कर ही दुश्मन कांपने लगेगा। बेशक दुश्मन की शक्ति कमजोर पड़ेगी। यही नहीं, भारत-रूस के बीच 'नागरिक परमाणु करार' भी होगा।

चिंतन-मनन

मन को जगाएं

दूसरा महायुद्ध चल रहा था। भीषण बमवर्षा हो रही थी। पूरा लंदन नगर संत्रस्त था। सारे नगर में भय का साम्राज्य छाया हुआ था। पर उसी नगर में एक बूढ़ी महिला निश्चिंत रूप से सोती और निश्चिंत जागती। आस-पास के लोगों की नींद पूरी तरह गायब हो चुकी थी। वे न सुख से सो पाते और न सुख से जाग पाते। दूसरे सभी जागते, किन्तु बुढिया निश्चिंत सोती, गहरी नींद लेती। लोगों ने बुढिया से पूछा, मां! क्या बात है? सारा नगर भय से आप्रान्त है। यहां कोई भी सुख की नींद नहीं सो सकता। तुम कैसे सुखपूर्वक सो जाती हो? इसका रहस्य क्या है? बुढिया ने कहा, बेटा! इसका रहस्य यही है कि मेरा प्रभु सदा जागता है। फिर मैं क्यों जागती रहूं? दो को जागने की जरूरत नहीं है। यह सच है। जब मन जाग जाता है, फिर कोई जागे या न जागे, कोई जरूरत नहीं है। किसी को जगाने की भी जरूरत नहीं है। वास्तविकता तो यह है कि मन के जगाने पर कोई सोया रह नहीं सकता। सबको जागना ही पड़ता है। एक के जागने पर सब जाग जाते हैं। एक के सोने पर सब सो जाते हैं। मन का मार्ग बहुत लम्बा-चौड़ा और दीर्घ है। वह एक क्षण में सारी दुनिया का चक्कर लगा सकता है। मन को साधने के बाद उसका भटकाव मिट जाता है, प्रमाद मिट जाता है, सोने की आदत मिट जाती है। फिर वह पूर्ण अनुशासित हो जाता है, नियंत्रित हो जाता है। जागरूकता का विकास सिद्धान्त को जानने मात्र से नहीं होता। उसका विकास तब होता है, जब साधक उचित दिशा में जागरूकता का अभ्यास करे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ध्रुव तारे की तरह अटल है भारत-रूस की दोस्ती

सनत जैन

भारत-रूस के दोस्ताना ताल्लुक सात दशक से बराबर चले आ रहे हैं। फिर चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सांस्कृतिक संबंधों की बात ही क्यों न हो। हिन्दी सिने जगत ने तो दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में अहम भूमिका अदा की। वैश्विक धरातल पर फिल्मी जगत की बात करें तो राज कपूर का नाम जरुर आता है, जिन्होंने 70 एमएम के रुपहले पर्दे पर मेरा नाम जोकर फिल्म को प्रदर्शित कर भारत-रुस संबंधों को एक तरह से मजबूत करने में सहयोग प्रदान किया। भारत-रूस संबंध आज उस ऐतिहासिक विरासत के साथ खड़े हैं, जिसकी जड़ें बीते कई दशकों में गहराई तक जा पहुंची हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात के दौरान जब इस दोस्ती को ध्रुव तारे जैसा अटल बताया, तो यह सिर्फ कूटनीतिक विनम्रता नहीं थी; बल्कि उन यादों, संघर्षों और वैश्विक उथल-पुथल का सम्मान था, जिनमें यह संबंध समय-समय पर परखे गए और हर बार पहले से अधिक मजबूत होकर उभरे। एक नया दौर वर्ष 2000 में शुरू हुआ, जब पुतिन और तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रणनीतिक संबंधों का ढांचा तैयार किया। इसके मात्र दस वर्ष बाद इसे 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' के स्तर तक उन्नत कर दिया गया। यह वही समय था जब दुनिया आतंकवाद, आर्थिक संकट और नई शक्ति-संरचनाओं के बीच खुद को पुनर्परिभाषित कर रही थी। इसके बावजूद भारतझ्ररूस संबंध स्थिर रहे, एक ऐसे स्थायित्व का प्रतीक, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने ध्रुव तारा कहकर परिभाषित किया है। पिछले ढाई दशकों में रूस ने भारत के साथ रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और विज्ञान के क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ताना-बाना बुना। चाहे ब्रह्मोस मिसाइल की संयुक्त परियोजना हो, एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की खरीद हो, या फिर कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र, इन सभी ने इस साझेदारी को वास्तविक और प्रभावशाली रूप दिया। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर रूस भारत का एक विश्वसनीय स्तंभ रहा है। पीएम मोदी ने इसे साझेदारी का मजबूत स्तंभ बताया है और यह सही भी है, क्योंकि सिविल न्यूक्लियर ऊर्जा से लेकर क्रूड ऑयल तक, रूस ने भारत की दीर्घकालिक जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है। आज जब दुनिया नई तकनीकों, स्वच्छ ऊर्जा और क्रिटिकल मिनरल्स पर आधारित नई औद्योगिक क्रांति की ओर बढ़ रही है, तो भारत और रूस का सहयोग एक बार फिर निर्णायक साबित हो गया है। क्रिटिकल मिनरल्स में संयुक्त पहलों से सुरक्षित सप्लाई चेन बनेगी, वहीं शिपबिल्डिंग सहयोग ह्यमेक इन इंडियाह्न को नई गति देगा। यह सहयोग सिर्फ औद्योगिक लाभ तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार, कौशल और क्षेत्रीय संपर्कता को लेकर भी गहरे प्रभाव डालेगा। इतिहास गवाह है कि भारत-रूस की दोस्ती संकटों और संघर्षों की भट्टी में तपकर बनी है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले से लेकर रूस के क्रोकस सिटी हॉल हमले तक का ज़िक्र करते हुए कहते हैं, कि आतंकवाद की जड़ें भले भिन्न भूभागों में हों, पर उद्देश्य एक ही होता है, मानवता पर हमला। यही कारण है कि भारत और रूस ने अंतरराष्ट्रीय मंचों, यूएन, जी-20, ब्रिक्स, एससीओ सभी पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाई है। दोनों देशों की यह नैतिक एकता वैश्विक राजनीति में एक संतुलनकारी भूमिका निभाती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते आतंकवादी हमले और शांतिप्रिय देशों की बढ़ती परेशानी के बीच जब आज प्रधानमंत्री मोदी यह कहते हैं, कि भारत न्यूट्रल नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है।, तो यह वक्तव्य वैश्विक कूटनीति के एक नए दृष्टिकोण की ओर संकेत करता है। गुटनिरपेक्षता के धरातल पर चलते हुए भारत शांति को अपनी विदेश नीति का केंद्र मानता है और रूस के साथ मिलकर इस दिशा में काम करता रहा है। पुतिन

द्वारा राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करना इसी संदेश को आगे बढ़ाता है कि शक्ति और शांति की अवधारणाएँ एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकती हैं। इस अवसर पर यह स्वीकारना आवश्यक है, कि रूस-भारत संबंध पुतिन के नेतृत्व में नई ऊंचाइयों तक पहुंचे हैं। मोदी का यह कहना, कि हर परिस्थिति में पुतिन की दूरदर्शिता ने इस रिश्ते को मजबूती दी। केवल राजनयिक प्रशंसा नहीं, बल्कि संबंधों की निरंतरता के प्रति आभार है। दुनिया बहुध्रुवीय युग की ओर बढ़ रही है। ऐसे समय में भारत-रूस की यह स्थिर साझेदारी ध्रुव तारे की तरह ही मार्गदर्शक है, अटल, स्थिर और विश्व व्यवस्था में संतुलन का प्रतीक। आने वाले वर्षों में यह संबंध केवल रणनीतिक नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में निर्णायक भूमिका निभाएंगे ऐसी उम्मीद है।

अम्बेडकर के सामाजिक न्याय की त्रिवेणी: एकता, बंधुत्व और सम्मान

दिलीप कुमार पाठक

विदेश जाकर अर्थशास्त्र डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने वाले डॉ. अम्बेडकर पहले भारतीय थे, जब वे 1926 में भारत आए तब उन्हें मुंबई की विधानसभा का सदस्य चुना गया ' अम्बेडकर आजाद देश के पहले कानून मंत्री थे, साल 1990 में उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था ' डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान निमार्ता भी थे, इसलिए आजाद भारत की लोकतांत्रिक राजनीतिक में उनका कद बहुत विशाल है, आज 06 दिसम्बर को डॉ. अम्बेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है, पुण्यतिथि को ही परिनिर्वाण दिवस कहते हैं ' डॉ. अम्बेडकर संविधान निमार्ता के साथ परम विद्वान, सामाजिक न्याय, एवं स्त्रियों के अधिकारों के लिए भी याद किए जाते हैं ' आज हमारे देश में स्त्रियों की स्थिति में सुधार हो रहा है, इसका सबसे बड़ा श्रेय भी बाबा साहब अम्बेडकर को जाता है, डॉ. अम्बेडकर का कद भारतीय राजनीति में वही है जो नेहरू, पटेल, का है, देश दुनिया में उनके चाहने वाले बाबा साहेब कहकर संबोधित करते हैं ' आज के दौर में लोगों की धारणा है कि डॉ. अम्बेडकर दलितों के नेता थे, लेकिन वे देश के अग्रणी नेता थे जो खुद एक विचार बन गए ' किसी भी व्यक्ति का परिनिर्वाण दिवस मनाया जाना इसलिए महत्वपूर्ण कि इस दिन लोग उनकी बुराईयों की बजाय उनकी अच्छाईयों को याद करते हैं और उसे अपने जीवन में उतारने का संकल्प भी लेते हैं । बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर बिना भेदभाव के दलितों, पिछड़ों, महिलाओं और देश के सर्वांगीण विकास के लिए आजीवन समर्पित रहे । बाबा साहेब डॉ. की मृत्यु 6 दिसम्बर 1956 को हुई थी, यही कारण है कि डॉ. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिन या पुण्यतिथि हर साल उन्हें 6 दिसम्बर को देश में ही नहीं विदेशों में भी श्रद्धांजलि और सम्मान देने के लिये मनाया जाता है । वे, 'भारतीय संविधान के जनक' थे, उनके प्रयास और मेहनत के परिणाम के बाद ही भारत को अपना संविधान प्राप्त हो पाया है, डॉ. अम्बेडकर बचपन से ही शिक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत ही उत्साहित रहते थे, परन्तु महार जाति के होने के कारण उनके साथ भेद-भाव किया जाता था । उनकी मृत्यु विवादित रही कि उनकी मृत्यु स्वाभाविक थी या हत्या, जिसका आज तक पता न चल सका । इस दिन दलित वर्ग उनकी प्रतिमा पर फूल, माला, दीपक और मोमबत्ती जलाकर और संविधान की प्रति भेंट करके उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं और एक सबसे प्रसिद्ध नारा 'बाबा साहेब अमर रहें' लगाते हैं । इस अवसर पर बौद्ध भिक्षु सहित कुछ लोग कई पवित्र गीत भी गाते हैं ' डॉ. अंबेडकर ने अपने जीवन के 65 सालों में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक, संवैधानिक आदि क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया और आधुनिक भारत की नींव रखी थी, ऐसा एक सच्चा और समर्पित देशभक्त ही कर सकता है, उन्होंने कहा था 'हम भारतीय हैं, सबसे पहले भी और अंत में भी ।' लेकिन देश उनके इस योगदान को लेकर आज भी जागरूक नहीं है ।

उनके विचार व सिद्धांत भारतीय राजनीति के लिए हमेशा से प्रासंगिक रहे हैं । दरअसल वे एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था के हिमायती थे, जिसमें राज्य सभी को समान राजनीतिक अवसर दे तथा धर्म, जाति, रंग तथा लिंग आदि के आधार पर भेदभाव न किया जाए। उनका यह राजनीतिक दर्शन व्यक्ति और समाज के परस्पर संबंधों पर बल देता है । उनका कहना था 'राजनीतिक लोकतंत्र तब तक नहीं चल सकता जब तक कि सामाजिक लोकतंत्र का आधार नहीं होता । सामाजिक लोकतंत्र का क्या अर्थ है? इसका मतलब जीवन का एक तरीका है जो जीवन के सिद्धांतों के रूप में स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को पहचानता है । उनका यह दृढ़ विश्वास था कि जब तक आर्थिक और सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होगी, तब तक जनतंत्र की स्थापना अपने वास्तविक स्वरूप को ग्रहण नहीं कर सकेगी ' दरअसल सामाजिक चेतना के अभाव में जनतंत्र आत्मविहीन हो जाता है । ऐसे में जब तक सामाजिक जनतंत्र स्थापित नहीं होता है, तब तक सामाजिक चेतना का विकास भी संभव नहीं हो पाता है ।

डॉ. अम्बेडकर भारतीय समाज में स्त्रियों की हीन दशा को लेकर काफी चिंतित थे । उनका मानना था कि स्त्रियों के सम्मानपूर्वक तथा स्वतंत्र जीवन के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है । अम्बेडकर ने हमेशा स्त्री-पुरुष समानता का व्यापक समर्थन किया । इस संबंध में उनका कहना था 'पति-पत्नी के बीच का रिश्ता करीबी दोस्तों के जैसा होना चाहिए' और 'मैं एक समुदाय की प्रगति को उस डिग्री से मापता हूं जो महिलाओं ने हासिल की है ।' यही कारण है कि उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम विधिमंत्री रहते हुए 'हिंदू कोड बिल' संसद में प्रस्तुत किया और हिन्दू स्त्रियों के लिए न्याय सम्मत व्यवस्था बनाने के लिए इस विधेयक में उन्होंने व्यापक प्रावधान रखे । उल्लेखनीय है कि संसद में अपने हिन्दू कोड बिल मसौदे को रोके जाने पर उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया । इस मसौदे में उत्तराधिकार, विवाह और अर्थव्यवस्था के कानूनों में लैंगिक समानता की बात कही गई थी । दरअसल स्वतंत्रता के इतने वर्ष बीत जाने के पश्चात व्यावहारिक धरातल पर इन अधिकारों को लागू नहीं किया जा सका है, वहीं आज भी महिलाएँ उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव हिंसा, समान कार्य के लिए असमान वेतन, दहेज उत्पीड़न और संपत्ति के अधिकार ना मिलने जैसी समस्याओं से जूझ रही हैं । डॉ. अम्बेडकर ने अपनी विचारधारा, अपनी सोच एवं शिक्षा से सभी की ज़िन्दगी में सकारात्मकता फैलाई ' डॉ अम्बेडकर के विचार हमारे देश के लिए महान विरासत हैं, जो हमेशा प्रासंगिक रहेंगें '

संचार साथी ऐप: अपेक्षा है निजता बनाम सुरक्षा के बीच संतुलन की

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में एक विचित्र प्रवृत्ति विकसित होती दिख रही है, जहाँ सत्ता द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम को विपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। संचार साथी ऐप को लेकर इन दिनों इसी प्रकार का विवाद एवं विरोध का वातावरण बना हुआ है। केंद्र सरकार की यह सोच कि हर नए स्मार्टफोन में इस ऐप को अनिवार्य किया जाए, विपक्ष ने इसे निजता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए कठोर शब्दों में चुनौती दी और संसद के शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और इससे व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढने की आशंकाएं व्यक्त की है। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। सरकार ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल इसे स्वैच्छिक बना दिया है अर्थात जो चाहे ऐप को रखे, जो चाहे उसे हटाए। परंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठा दिया है कि क्या हम केवल विरोध की राजनीति में वास्तविक चुनौतियों और आवश्यकताओं को भुला रहे हैं?

वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है। सरकार का सही कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है।

विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है। जब डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय अखंडता, आर्थिक व्यवस्था, सामरिक रहस्य और सामाजिक शांति पर संकट मंडराते हों, तो सरकार को हस्तक्षेप करना नैतिक रूप से उचित ही नहीं, बल्कि आवश्यक हो जाता है। अमेरिका, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन-सभी देशों के पास निगरानी आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ हैं। क्या उनकी लोकतांत्रिक संरचनाएँ इस कारण क्षीण हो गईं? नहीं, क्योंकि निगरानी और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया गया। भारत को भी इसी संतुलन की आवश्यकता है। यह सही है कि किसी भी डिजिटल ऐप में निगरानी का वहनीय स्वरूप रखना चाहिए, जिससे नागरिक की व्यक्तिगत जिंदगी पर अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। सरकार ने भी यही स्पष्ट किया है कि संचार साथी नागरिक के निजी जीवन में दखल नहीं देना चाहता, बल्कि उसे साइबर अपराध, हैकिंग, धोखाधड़ी, फजीवाड़ा, एवं डिजिटल आतंकवाद से बचाने हेतु काम करेगा। विडंबना यह है कि विपक्ष इस ऐप को 'निष्ठा परीक्षण', 'मनोवैज्ञानिक निगरानी' और 'गोपनीयता हनन' का उपकरण बताकर भय पैदा कर रहा है, जबकि पूर्व में स्वयं उनकी सरकारें समान तंत्र विकसित कर चुकी हैं, चाहे वह आधार डेटा सुरक्षा हो, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हों या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के निगरानी प्रोटोकॉल।

सवाल यह है कि यदि अपराधी, आतंकवादी, अलगाववादी, साइबर गैंग्स संगठित डिजिटल हथियारों का उपयोग कर रहे हैं, तो क्या सामान्य नागरिकों को असुरक्षित छोड़ दिया जाए? क्या यह लोकतंत्र का तकाजा है कि सरकार देखती रहे और समाज अपराध की प्रयोगशाला बन जाए? वास्तव में यह संकट केवल भारत का नहीं, विश्व का है। आज की दुनिया में जो राष्ट्र डिजिटल नियंत्रण तंत्र विकसित नहीं करता, उसकी सुरक्षा दीवारें कागज की नाव जैसी सिद्ध होती हैं। इसलिए यह कहना कि संचार साथी ऐप अनावश्यक या दमनकारी है, वस्तुस्थिति से आंखें मूंद लेने जैसा है। निश्चित रूप से एक सवाल उठता है, क्या ऐप डेटा सुरक्षा की गारंटी देगा? यह बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न है। सरकार को इस ऐप के उद्देश्य और डाटा संचालन नीति को पारदर्शी रूप में सार्वजनिक करना चाहिए। यदि इस पर स्वतंत्र ऑडिट हो, निजता सुरक्षा प्रावधान हों, दुरुपयोग को रोकने वाली न्यायिक निगरानी हो तो विरोध स्वतः समाप्त हो जाएगा। परंतु विपक्ष का विरोध नीतिगत सुधारों की दिशा में न होकर केवल राजनीतिक अवसरवाद प्रतीत होता है। यह भी सही है कि नागरिकों की चिंताएँ निराधार नहीं, भारत में डेटा सुरक्षा कानून अभी भी परिपक्व नहीं है, डिजिटल संरचनाएँ जवाबदेही की दृष्टि से मजबूत नहीं हैं। अतः संचार साथी के विकास के साथ-साथ देश में निजता सुरक्षा कानूनों को और अधिक कठोर, दंडात्मक एवं न्यायिक रूप से संरक्षित बनाने की आवश्यकता है।

यदि इस ऐप के कार्यों पर दृष्टि डालें तो उसके पीछे सोच यह है कि मोबाइल संचार के माध्यम से होने वाले अपराधों की पहचान, रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग को व्यवस्थित किया जा सके। यह व्यक्ति की निगरानी का उपकरण कम और अपराध नियंत्रण की प्रणाली अधिक है। भारत में साइबर अपराधों में प्रति वर्ष 63 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की जा रही है, लाखों लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार बन रहे हैं, बैंकिंग ठगी से लेकर सोशल मीडिया मनोवैज्ञानिक अपराधों तक का दायरा बढ़ रहा है। क्या सरकार की चुप्पी इन अपराधियों को खुला मैदान नहीं दे देती? इसलिए संचार साथी जैसे कदमों का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा का विस्तार है, न कि लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का संकुचन।

कठोर सत्य यह है कि राष्ट्र केवल अधिकारों पर आधारित नहीं होते, जिम्मेदारियों और सुरक्षा तंत्रों पर भी टिके होते हैं। एक नागरिक के रूप में हम यह अपेक्षा करते हैं कि हमारा डेटा सुरक्षित हो, हमारा पैसा सुरक्षित हो, हमारा देश सुरक्षित हो परंतु जब सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, तो हम विरोध में खड़े हो जाते हैं। यह राजनीतिक अधिक है, जहाँ हम एक विश्वव्यापी सिद्धांत को भूल जाते हैं कि 'स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ ही टिक सकती है।' इसलिए संचार साथी ऐप पर संतुलित दृष्टि ही सार्थक है। सरकार को उसकी संरचना पारदर्शी, उत्तरदायी और कानून नियंत्रित रखनी चाहिए, और विपक्ष को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि डिजिटल भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ केवल नारे से हल नहीं होंगी, बल्कि तकनीकी सुरक्षा तंत्रों से ही नियंत्रण संभव होगा। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, परंतु रचनात्मक आलोचना, जिसमें सुधार की मांग होती है, न कि केवल अस्वीकरण। यदि राजनीतिक वर्ग इस बहस को इसी दिशा में ले जाए, तो संचार साथी ऐप न केवल विवादित विषय रहेगा बल्कि डिजिटल सुरक्षा के लिए नागरिक-हितकारी उपकरण के रूप में स्थापित भी होगा।

निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके। अंततः यह समझना होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और निजता-दोनों अनिवार्य हैं। चुनौती इन्हें संतुलित करने की है, न कि किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की। यदि यह संतुलन नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ बने, तो संचार साथी ऐप देश के डिजिटल भविष्य की सुरक्षा का सेतु बन सकता है। विरोध की राजनीति नहीं, समझ और समाधान की राजनीति आज की आवश्यकता है, यही इस ऐप की वास्तविकता और उपयोगिता को समझने की दिशा है।

काली पट्टी बांधकर सचिवों ने किया प्रदर्शन,मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा

गंगेश्वरी/धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):– सचिवों ने बाजू पर काली पट्टी बांधकर ग्राम विकास अधिकारियों व ग्राम पंचायत अधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। आंदोलन के पांचवें दिन अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और प्रमुख सचिव को संबोधित एक ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा। उन्होंने बाजू पर काली पट्टी बांधकर गैर विभागीय कार्यों और ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध जताया। बता दें कि बुधवार को ब्लॉक परिसर गंगेश्वरी और धनौरा में प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कर्मचारी एकता जिंदाबाद के नारे भी लगाए। सचिवों का मुख्य विरोध ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने और उनसे लिए जा रहे हैं गैर विभाग के कार्यों को लेकर है। उन्होंने सरकार

से अपनी मांगों को स्वीकार करने की अपील की है ।ब्लॉक अध्यक्ष राजीव गिल ने बताया कि इन गैर विभागीय कार्यों के कारण उनके मूल कर्तव्यों पर असर पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिसंबर तक उनकी मांगे पूरी नहीं की गई तो वह अपने डोंगल कार्यालय में जमा कर देंगे और कार्य का बहिष्कार करेंगे।

ग्राम विकास अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि जब तक सचिवों को सम्मानजनक कार्य वातावरण और न्याय पूर्ण व्यवस्था नहीं मिलेगी आंदोलन जारी रहेगा उन्होंने बताया कि धरना कार्यक्रम और ज्ञापन सौंपने के बाद जनपद के सभी सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप में से सभी सचिव खुद

ही लेफ्ट हो जाएंगे। वहीं दूसरी तरफ गंगेश्वरी विकासखंड के सचिव सभी सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप से लेफ्ट हो गए। इसके अतिरिक्त 10 दिसंबर से सभी सचिव अपने निजी वाहनों का उपयोग बंद कर देंगे और 15 दिसंबर से अपने डोंगल ब्लॉक कार्यालय में जमा कर देंगे। इस मौके पर धनौरा से राजीव गिल ,राजकुमार सैनी, सुमित कुमार ,मोहम्मद नाशिम, महेश कुमार, बंटी सिंह ,संदीप सिंह, रोहित कुमार ,अशोक यादव, राजकुमार ,आंचल और रजत यादव सहित कई अन्य अधिकारी व गंगेश्वरी में कपिल कुमार, कपिल यादव, संदीप, राहुल, विदित, दीपक, धर्मपाल सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गजरौला में मनौना धाम के महंत ओमेंद्र सिंह महाराज का आगमन

श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद,विदेशों तक प्रसिद्ध है यह चमत्कारी धाम

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):– गुरुवार को जनपद अमरोहा के गजरौला स्थित नेशनल हाईवे पर बीकानेर रेस्टोरेंट पहुंचे मनौना धाम के महंत ओमेंद्र सिंह महाराज का स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया।महाराज जी ने यहां रुककर जलपान किया और बड़ी संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं को आशीर्वाद प्रदान किया।इस दौरान उन्होंने सनातन धर्म, सेवा और धाम की परंपराओं को लेकर विशेष चर्चा की।महाराज ओमेंद्र सिंह ने कहा कि मनौना धाम ऐसा स्थान है, जहां लोग डॉक्टरों से निराश होकर अंतिम उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। बाबा द्वारा बताई गई विधि के अनुसार यहां जल पिलाया जाता है, झाड़ा लगाया जाता है और बाबा के आशीर्वाद से अनेक लोग स्वस्थ होकर लौटते हैं। हमारे

धाम पर किसी भी श्रद्धालु से एक रुपये तक नहीं लिया जाता। उन्होंने बताया कि धाम पर आने वाला हर व्यक्ति लाइन में लगकर जल और आशीर्वाद प्राप्त करता है। वर्षों से हजारों श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं यहां पूर्ण होती आई हैं।महाराज ने यह भी कहा कि मनौना धाम केवल भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी एक विश्वसनीय और प्रसिद्ध आध्यात्मिक धाम के रूप में जाना जाता है। विदेशों से भी बड़ी संख्या में भक्त अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां पहुंचते हैं

और संतोषपूर्वक लौटते हैं।महाराज के आगमन से गजरौला में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालुओं ने महंत जी से आशीर्वाद लेकर स्वयं को धन्य महसूस किया।इस मौके पर महंत जी के साथ उनके बड़े भाई व समस्त सेवादार मौजूद रहे, जिन्होंने पूरे आयोजन को गरिमामय और अनुशासित बनाए रखा।

जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स के अथक प्रयासों से निर्धारित समय से पहले जनपद में नौगांवा सादात और हसनपुर विधानसभा में शत प्रतिशत गणना प्रपत्र हुए डिजिटाइज

अमरोहा (सब का सपना):– निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स की कड़ी मॉनिटरिंग और अथक प्रयासों से जनपद में दो विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के गणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण का कार्य निर्धारित समय से पहले शत प्रतिशत पूर्ण हो गया। उत्तर प्रदेश में चल रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) कार्यक्रम के तहत नौगांवा सादात और हसनपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदाता गणना प्रपत्रों को डिजिटाइज करने का कार्य शत-प्रतिशत पूरा हो गया है। इस उपलब्धि के साथ अमरोहा जिले ने प्रदेश के अग्रणी जिलों में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। जिले की विधानसभा धनौरा और अमरोहा में भी डिजिटाइजेशन कार्य लगभग पूरा होने को है। उन्होंने कहा कि दोनों विधानसभाओं में भी जल्द ही शत प्रतिशत कार्य कर लिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी बीएलओ, सुपरवाइजर, सहायक अधिकारियों और गणना प्रपत्र वितरण, संकलन व ऑनलाइन करने में लगे कार्मिकों को समय पर कार्य पूर्ण करने पर बधाई दी। उन्होंने विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और सहायक अधिकारियों की मेहनत की सराहना की। विधानसभा नौगांवा सादात एवं हसनपुर के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 के कार्य को जनपद में सर्वप्रथम पूर्ण करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह उपस्थित रहीं। जनपद में शुक्रवार शाम 04 बजे तक 99.48% संख्या 1363217 फॉर्म डिजिटाइज हो चुके हैं, धनौरा तहसील में 97.96% , नौगांवा सादात तहसील में 100.00%, अमरोहा तहसील में 99.98%, हसनपुर तहसील में 100.00 %, जनपद के 1382 बीएलओ शत प्रतिशत गणना प्रपत्र डिजिटाइज कर चुके हैं। नौगांवा सादात में कुल 3,32,968 प्रपत्र ऑनलाइन किए गए हैं। इसी तरह हसनपुर में 3,73,402 में प्रपत्र ऑनलाइन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, नोडल अधिकारी, सहायक अधिकारी और अन्य कार्मिकों ने इस कार्य में कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ अपना योगदान दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एसआईआर की यह उपलब्धि न केवल जिले में मतदाता सूचियों की सटीकता और पारदर्शिता को सुनिश्चित करती है, बल्कि आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को भी सुचारू और विश्वसनीय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

अमरोहा जिला अस्पताल को मिली कायाकल्प योजना में सराहना

अमरोहा (सब का सपना):– जिले के जिला अस्पताल में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित कायाकल्प योजना के तहत उच्चस्तरीय टीम ने गुरुवार को व्यापक निरीक्षण किया। लखनऊ से आए स्टेट कंसल्टेंट क्वालिटी एनआरएचएम आस मोहम्मद के नेतृत्व में टीम ने अस्पताल के सभी वार्डों, ओपीडी, इमरजेंसी, लेबर रूम, ऑपरेशन थिएटर सहित हर विभाग का बारीकी से जायजा लिया।टीम में डिविजनल क्वालिटी कंसल्टेंट मुरादाबाद डॉ. प्रशांत, जिला क्वालिटी मैनेजर मुरादाबाद डॉ. आरिफ, जिला क्वालिटी मैनेजर बिजनौर डॉ. अनुज भारद्वाज शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान टीम ने मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सेवाओं, स्वच्छता, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, इंफेक्शन कंट्रोल, दवाओं की उपलब्धता और स्टाफ की ड्यूटी को लेकर तफ्सील से पूछताछ की।आश्चर्यजनक रूप से सभी वार्डों में साफ-सफाई, बेड की व्यवस्था, दवाइयों की समय पर उपलब्धता और स्टाफ की मुस्तैदी देखकर टीम ने खुशी जाहिर की। डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ ने टीम के हर सवाल का संतोषजनक जवाब दिया। टीम ने इसे जिले का मॉडल अस्पताल बताते हुए जमकर तारीफ की। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके भंडारी ने बताया कि कायाकल्प योजना के अंतर्गत अस्पताल लगातार बेहतरी की दिशा में कार्य कर रहा है और यह सराहना पूरे स्टाफ के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। निरीक्षण के समय सीएमएस डॉ. एके भंडारी, सुपरिटेंडेंट डॉ. चरन सिंह, डॉ. वंशी, डॉ. इकबाल, डॉ. राजकुमार, डॉ. विनय भार्गव, डॉ. अनिल कुमार, डॉ. अशोक कुमार, फार्मासिस्ट ओम जंगपाल, प्रदीप कुमार एवं सभी नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे।

तीर्थों एवं कूपों पर विकास के कार्य कराये जा रहे हैं:- जिलाधिकारी

असमोली/सम्भल(सब का सपना):– मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश जयवीर सिंह का सम्भल भ्रमण कार्यक्रम हुआ। कल्कि धाम विकासखंड असमोली में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा जनपद में कराये जा रहे विकास कार्यों का शिलान्यास/ लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित रहे तथा कल्कि धाम में अनंतश्री विभूषित रामानंदाचार्य तुलसी पीठाधीश्वर पदम विभूषण परम पूज्य रामभद्राचार्य महाराज के मुखारबिंद से विश्व की प्रथम कल्कि कथा (01 दिसम्बर से 07 दिसम्बर 2025 तक) में सम्मिलित हुए। सर्व प्रथम मुख्य अतिथि मंत्री जी द्वारा श्री कल्कि धाम के पंडाल में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा जनपद में कराये जा रहे विकास कार्यों एवं विजन डॉक्यूमेंट से संबंधित प्रदर्शनी का लोकार्पण किया एवं उसका अवलोकन किया। जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया ने कार्यक्रम के अन्तर्गत अपने संबोधन में कहा कि पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के माध्यम से लगभग 100 करोड रुपए से अधिक की परियोजनाएं जनपद में स्वीकृत होने के लिए शासन मैं है तथा तीर्थों एवं कूपों पर विकास के कार्य कराये जा

रहे हैं।उन्होंने कहा कि संभल कोई सामान्य नगरी नहीं है संभल भविष्य के अवतार की भूमि है ऐसी मान्यता है कि कल्कि अवतार संभल में होगा ऐसा उल्लेख पुराणों एवं ब्रिटिश कालीन गजेटियर आदि में भी होता है।उन्होंने कहा कि सम्भल में कुल 87 देव तीर्थ हैं जिनमें से 85 देव तीर्थ तीर्थ को प्रशासन और पुलिस विभाग की टीम द्वारा अतिक्रमण हटाकर सुव्यवस्थित कर दिया है विकास के कार्यों के मार्ग खुल गये हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष हरेन्द्र सिंह रिंकू ने कहा कि कानून व्यवस्था और विकास आदि के कार्यों में सम्भल अच्छा कार्य कर रहा है। कल्कि धाम पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि कल्कि धाम में देश के कोने कोने से संतों की पावन उपस्थिति हो रही है। भगवान कल्कि नारायण का अवतार इस धरती पर होगा यह पुराणों में उल्लिखित है। भगवान राम कल्कि के रूप में यहाँ आयेंगे। मंत्री जी ने रिमोट दबाकर पर्यटन एवं संस्कृति विभाग द्वारा जनपद में कराये जा रहे विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। उन्होंने कहां की जनपद में तीन परियोजनाओं धनराशि ड्ड 337.85 लाख वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत कार्य पूर्ण का लोकार्पण किया जा रहा है जबकि वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत जनपद में 03 परियोजनाओं धनराशि ड्ड605.20 लाख का शिलान्यास किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जनपद में वर्ष 2025-26 में 02 महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन स्थलों पर धनराशि ड्ड183.99 लाख की योजनाएं स्वीकृति हेतु आगणन गठित कर प्रेषित की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि संभल विश्व पटल पर प्रस्तुत होने के लिए आ गया है पूरे प्रदेश में सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण की नई शुरूआत हुई है आज हमारा देश एवं प्रदेश सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण में नई उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट उत्तर प्रदेश में चलाया जा रहा है तथा प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है यह सब कुछ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून का राज्य स्थापित हुआ है

पूर्व सरकारों में बीमारू प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश को जाना जाता था आज वही प्रदेश हिंदुस्तान का ग्रोथ इंजन बनकर के विकास की योजनाओं के साथ देश की अग्रिम पंक्ति के राज्य के रूप में खड़ा है आज प्रदेश के लोगों को अन्य राज्यों में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। विधान परिषद सदस्य सत्यपाल सिंह सैनी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कहा कि सम्भल एक महत्वपूर्ण स्थान है जो दुनिया को एक अच्छा संदेश आने वाले समय में देगा। इस अवसर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, क्षेमनाथ तीर्थ से बाल योगी दीनानाथ महाराज, पूर्व एम एल सी परमेश्वर लाल सैनी एवं उप निदेशक पर्यटन रविन्द्र मिश्रा एवं पर्यटन अधिकारी मनीष सिंह एवं प्रदीप कुमार टम्टा एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं संत समाज उपस्थित रहे।

आज मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत एक दूजे के बंधन में बंधेंगे 500 से अधिक जोड़े

अमरोहा (सब का सपना):– उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अमरोहा जिले में एक बार फिर सैकड़ों जोड़ों की शादी का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस बार 6 दिसंबर को महाराजा अग्रसेन कॉलेज एंड इंजीनियरिंग के प्रांगण में 500 से अधिक जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न होगा। यह आयोजन जिले के गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित होने वाला है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि योजना के तहत सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता या फजीवाड़े को रोकने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। हर जोड़े के लिए आधार कार्ड, फोटो एवं अन्य जरूरी दस्तावेजों के सत्यापन के बाद विशेष पहचान पत्र (आई-कार्ड) जारी किया जा रहा है। इससे न केवल पारदर्शिता सुनिश्चित होगी बल्कि वास्तविक जरूरतमंदों तक ही योजना का लाभ पहुंचेगा।समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के अनुसार, विवाह स्थल को दुल्हन-दूल्हे के स्वागत के लिए

भव्य तरीके से सजाया जा रहा है। मंडप, भोजन, वस्त्र, बर्तन, श्रृंगार सामग्री सहित सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक जोड़े को सरकार की ओर से 60 हजार रुपये की सहायता राशि, उपहार एवं प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी जोड़ों एवं उनके परिजनों से अपील की है कि समय से पंजीकरण कराकर आई-कार्ड प्राप्त कर लें ताकि कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हो सके। इस सामूहिक विवाह से न केवल आर्थिक बोझ कम होगा बल्कि सामाजिक समरसता को भी बल मिलेगा।

जय शिव ग्रुप ऑफ कॉलेज में स्व. डॉ. राजीव शर्मा की स्मृति में पुस्तक विमोचन

अमरोहा (सब का सपना):– जिले के जय शिव ग्रुप ऑफ कॉलेज, बुडेरना के तत्वावधान में 5 दिसंबर को स्वर्गीय शिक्षाविद् डॉ. राजीव शर्मा के जन्मदिवस पर उनकी स्मृति में लिखी पुस्तक ह्लशिक्षाविद् डॉ. राजीव शर्माह्व का भव्य विमोचन हुआ। जय शिव कन्या महाविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक डॉ. हरि सिंह ढिल्लों, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरि गोस्वामी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन, ब्लॉक प्रमुख सरदार गुरेंद्र सिंह ढिल्लों समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन व पुष्पांजलि तथा स्व. ब्रह्मानंद शर्मा व डॉ. राजीव शर्मा की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण से हुई।

छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गान प्रस्तुत किया। पुस्तक के लेखक डॉ. दीपक अग्रवाल ने बताया कि इसमें डॉ. राजीव शर्मा के 16 परिजनों व 33 शुभचिंतकों के विचार शामिल हैं, जो उनके शिक्षा, समाज व परिवार के प्रति समर्पण को दशार्ते हैं।वक्ताओं ने डॉ. राजीव शर्मा को जमीनी, सकारात्मक सोच वाला दूरदर्शी शिक्षाविद् बताया, जिसने ग्रामीण क्षेत्र में कई शिक्षण संस्थानों की स्थापना की। गरीब छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा देने और हर परिस्थिति में खुश रहने की उनकी कला की खूब सराहना हुई। उदय गिरि गोस्वामी व डॉ. ढिल्लों ने

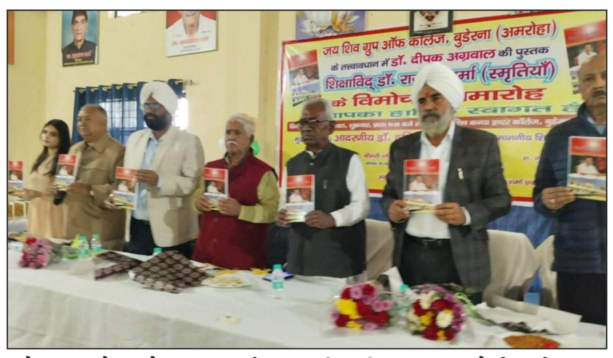

बुडेरना आने वाले मुख्य मार्ग का नामकरण व प्रतिमा स्थापना का प्रस्ताव रखा।

प्रबंधक चारू शर्मा ने डॉ. राजीव शर्मा को वसुधैव कुटुम्बकम् का जीवंत प्रतीक बताया और लेखक डॉ. दीपक अग्रवाल को साधुवाद दिया। कार्यक्रम में भाजपा नेता, शिक्षाविद् व समाजसेवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस अवसर पर इससे पूर्व चारू शर्मा, अरविंद शर्मा, पवन शर्मा, संजीव शर्मा, राजीव पाठक, विवेक शर्मा, क्रांति कुमार शर्मा, विकास शर्मा, मनोरमा शर्मा, सुषमा शर्मा, उन्नति शर्मा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

विश्व मृदा दिवस पर किया गया गोष्ठी का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):– जनपद के तहसील क्षेत्र के आदमपुर बस स्टैंड पर विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान गोष्ठी में उपस्थित जागरूक लोगों को संबोधित करते हुए राष्ट्र सेवी संगठन एवं विधान सभा संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग किया जाना अति आवश्यक है उसी प्रकार मृदा के स्वास्थ्य को बचाने के लिए जैविक कृषि किए जाने की आवश्यकता है। अत्यधिक रासायनिक खादों एवं कीटनाशकों के प्रयोग किए जाने से जहां एक ओर मृदा स्वास्थ्य खराब होने से भूमि की उत्पादक क्षमता में गिरावट आ रही है वहीं कृषि उत्पादों के सेवन से मनुष्य शरीर में अनेकों बीमारियां पैदा हो रही हैं। इस अवसर पर उपस्थित भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष

चंद्रप्रकाश शर्मा ने कहा कि आज किसानो की उपेक्षा के चलते गौवंशीय पशुओं को खेत खेत भटकना पड़ रहा है। जबकि गौआधारित प्राकृतिक खेती करने से खेती की लागत कम होगी और भूमि स्वास्थ्य संरक्षण का संकल्प पूरा होगा। साथ ही गौ की महत्ता में वृद्धि होने से किसानो की गौवंशीय को निराश्रित छोड़े जाने की बढ़ती प्रवृति पर अंकुश लगेगा।

इस अवसर पर भाजपा नेता सतीश अग्रवाल, डा लल्तू सिंह चौहान, सुभाष गोयल, डा कुंवर पाल सिंह, अमर पाल सिंह, मेघ सिंह, सुंदर पाल सिंह, अतुल मिश्रा, गौरव गोयल एवं संजय भाई आदि मौजूद रहे।

हाथों में गन्ना और खेतों में खाट पर बैठकर किसानों ने सुनाई समृद्धि की कहानी

किसानों ने ही संभाला चौपाल का जिम्मा, आयोजन में 500 से अधिक किसानों की रही भागीदारी

हापुड़ (सब का सपना):- शुक्रवार को जनपद के गढ़मुक्तेश्वर ब्लॉक के वैठ गांव में कृषि चौपाल लगी, जहां 500 से अधिक किसान उपस्थित रहे। हाथों में गन्ना लेकर और खेतों में खाट पर बैठकर किसानों ने अपनी ह्यसमृद्धिह्न की कहानी सुनाई। योगी सरकार को इसका श्रेय देते हुए आत्मविश्वास से लबरेज किसानों ने जीवन में आए बदलाव का भी जिक्र किया। कृषि चौपाल में किसानों ने गन्ना मूल्य में की गई वृद्धि के लिए योगी सरकार के प्रति आभार जताया। खास बात यह रही कि कृषि चौपाल का आयोजन भी किसानों ने ही किया और इसमें भागीदारी भी सिर्फ किसानों की ही रही। किसानों ने एक स्वर में कहा कि योगी सरकार ने हमारा ध्यान रखते हुए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि की। इस खुशी को शब्दों में बयां नहीं कर सकतें।

पहली ही कैबिनेट में योगी ने माफ किया किसानों का ऋण

किसानों ने कहा कि पिछली दो सरकारों के 10 वर्ष में गन्ना मूल्य एक रुपये भी नहीं बढ़ा। योगी जी ने 08 वर्षो में 35% से ज्यादा मूल्य बढ़ाया है। पहली कैबिनेट में योगी ने किसानों के ऋण की माफी की। पीएम नरेंद्र मोदी, के नेतृत्व में सीएम योगी, अन्नदाता किसानों के उत्थान के लिए सतत प्रयत्नशील हैं।

अब समय से भुगतान कर रहीं चीनी मिलें

कृषि चौपाल में किसान मास्टर जमील अहमद, व हसरत अली, ने कहा कि 2017 से पहले किसानों की सिर्फ दुर्गति ही होती थी। सरकारों को गन्ना किसानों की सुध नहीं थी, लेकिन अब सीएम योगी आदित्यनाथ स्वयं गन्ना किसानों से संवाद करते हैं। गन्ना मूल्य में निरंतर वृद्धि भी की जा रही है। अब चीनी मिलों के लिए गन्ना कम पड़ रहा है। किसान उन्नत किस्म के गन्ना उत्पादन की ओर हैं।

सीएम योगी के कारण हुआ संभव, अब मोबाइल पर मिल रही पर्ची

किसान आफाक खान, व ताज मोहम्मद, ने कहा कि एक समय था कि जब गन्ना रखे-रखे सूख जाता था और पर्ची नहीं मिलती थी। आज मोबाइल पर पर्ची मिल रही है। आलू-गन्ना, चना-गन्ना, सरसों-गन्ना, पत्ता गोभी गन्ना जैसे सहफसली खेती का अवसर मिला है। आमदनी बढ़ी है। सीएम योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी सोच व मार्गदर्शन में ही यह संभव हो पाया।

इस दौरान नरेंद्र त्यागी, गिरीश कुमार चौहान, अमित कुमार, मोहम्मद नाजिम, शाहिद, मोहम्मद हसरत, रिहान आदि किसानों ने अपनी बातें रखीं।

शनिवार को हापुड़ के अखापुर और 7-8 को शामली में लगेगी चौपाल

शनिवार को कृषि चौपाल हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर ब्लॉक के अखापुर गांव में लगेगी। इसके पश्चात शामली में कृषि चौपाल के लिए 7 दिसंबर को गेहरनी व 8 दिसंबर को बुच्चाखेड़ी गांव का चयन किया गया है। 10-11 दिसंबर को मुजफ्फरनगर के यहियापुर व दाहोद गांव में कृषि चौपाल लगाई जाएगी। किसानों से मिले हर फीडबैक योगी सरकार तक पहुंचाए जाएंगे। इसके आधार पर योगी सरकार किसानों की बेहतरी के लिए और भी नए कार्य व प्रयास करेगी।

एसआईआर अभियान को सफल बनाने के लिए ह्यूमन केयर चैरिटेबल ट्रस्ट की टीम ने की मदद

सम्भल(सब का सपना):- एस आई आर अभियान को सफल बनाने के लिए सराय तरीन क्षेत्र में ह्यूमन केयर चैरिटेबल ट्रस्ट ने जोरदार मुहिम छेड़ रखी है। ट्रस्ट के पदाधिकारी व सदस्य पिछले कई दिनों से घर-घर जाकर लोगों के रक्फ़ फॉर्म भरवा रहे हैं और हेल्प डेस्क के जरिए बीएलओ के साथ मिलकर फॉर्मों की त्रुटियां दूर कर रहे हैं। ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक नाज़िश नसीर ने बताया कि बहुत से लोगों को रक्फ़ फॉर्म भरने की सही जानकारी नहीं होने के कारण परेशानी हो रही थी और समय पर फॉर्म जमा न हो पाने का डर बना हुआ था। इसी को देखते हुए ट्रस्ट ने हेल्प डेस्क शुरू की, जहां बीएलओ के साथ बैठकर फॉर्म भरे जा रहे हैं और गलतियां सुधारी जा रही हैं। डॉक्टर जीशान अली ने जानकारी दी कि भारत निर्वाचन आयोग ने रक्फ़ फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर से बढ़ाकर अब 11 दिसंबर कर दी है। जो लोग अभी तक फॉर्म जमा नहीं कर पाए हैं, वे तुरंत अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म जमा करा सकते हैं। उन्होंने अपील की कि समय बहुत कम बचा है और

अभी भी बड़ी संख्या में लोग फॉर्म नहीं भर पाए हैं। इसलिए अन्य सभी काम छोड़कर सबसे पहले रक्फ़ फॉर्म भरें और बीएलओ को सौंप दें।

ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने कहा कि अगर किसी को भी फॉर्म भरने में कोई दिक्कत आ रही हो तो ट्रस्ट के सदस्य 24 घंटे उनकी मदद के लिए तैयार हैं। लगातार कैंप लगाकर बीएलओ की मौजूदगी में मतदाताओं के फॉर्म भरे जा रहे हैं। ट्रस्ट के सदस्य चांद खाँ ने बताया कि उनकी टीम ने उन सभी निवासियों के घर जाकर फॉर्म भरवाए जिन्होंने अब तक फॉर्म नहीं भरा था। मौके पर ही सैकड़ों फॉर्म भरे गए। उन्होंने कहा कि जिन लोगों का फॉर्म अभी बाकी है, वे जल्द से जल्द भरवा लें ताकि कोई भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।

इस जनजागरूकता अभियान में नसीम खान, जहाँगीर आलम, उबैद उर रहमान, परवेज हबीब, मोहम्मद दिलशाद, वसीम अहमद, राशिद मंसूरी, चांद खाँ, पूर्व सभासद मोहम्मद अनीस सहित ट्रस्ट के दर्जनों सदस्य व स्वयंसेवी दिन-रात जुटे हुए हैं। ट्रस्ट की इस मुहिम से क्षेत्र में रक्फ़ फॉर्म जमा करने की रफ्तार में जबरदस्त तेजी आई है और उम्मीद है कि 11 दिसंबर तक शत-प्रतिशत फॉर्म जमा हो जाएंगे।

प्रशासन के समस्त अधिकारीयो के साथ जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में एक बैठक आयोजित

बैठक का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करना रहा

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जारी दिशा-निदेशों के अनुपालन में प्रास्तावित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर के सफलतापूर्वक आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के संबंध में जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डॉ विदुषी सिंह की अध्यक्षता में 5 दिसंबर को समय 4.30 बजे प्रशासन के समस्त अधिकारीगण के साथ जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करना रहा। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लोगों

की समस्याओं का सरलीकृत, सुलभ और त्वरित निपटारा सुनिश्चत करना है। बैठक में नागरिकों की शिकायतों, राजस्व सम्बन्धी मामलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, श्रम विवाद, बैंक मामले तथा अन्य जनहित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सम्भल द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारीगण को लम्बित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु, जनसुनवाई को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने, विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने, आमजन को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त बैठक के अवसर पर नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश, सम्भल स्थित चन्दौसी अवधेश कुमार सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद सम्भल स्थित चन्दौसी पराग यादव, पुलिस विभाग से कुलदीप सिंह, राजस्व विभाग से सुधीर कुमार एवं आशुतोष तिवारी, सूचना विभाग से बृजेश कुमार, नगर पालिका चन्दौसी से धर्मराज, राम, दीपलव श्रीवास्तव, नवीन गुप्ता, तहसीलदार चन्दौसी सतेन्द्र सिंह, तहसीलदार गुन्नौर रविन्द्र विक्रम, नगर पालिका नरौली से राजीव कुमार, नगर पालिका बबराला से अजय कुमार शुक्ला, नगर पालिका गुन्नौर से अमोघ तिवारी आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत / अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सम्भल स्थित चन्दौसी अवधेश कुमार सिंह द्वारा दी गयी।

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर कृषक वैज्ञानिक संवाद एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन

सम्भल(सब का सपना):- विश्व मृदा दिवस के अवसर पर कृषक वैज्ञानिक संवाद एवं कृषक संगोष्ठी का आयोजन अरूण कुमार त्रिपाठी, उप कृषि निदेशक, सम्भल की अध्यक्षता में कृषि विज्ञान केन्द्र, पल्था (सम्भल) पर आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नत्थू सिंह राना मंडल उपाध्यक्ष, भाजपा, जनपद सम्भल उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, सम्भल द्वारा अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास 2025-26 योजनान्तर्गत 16000 मृदा नमूना एकत्रीकरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिस हेतु सभी विकास खंडों से 20-20 ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है जहां प्रत्येक ग्राम पंचायत से 100-100 नमूना एकत्र करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक डॉ. महावीर सिंह द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद संभल की मृदा में मुख्य रूप से जीवाश्म एवं नत्रजन तत्वों की कमी पाई गई है एवं फास्फोरस एवं पोटाश की उपलब्धता पर्याप्त है। किसान भाइयों को भूमि की उर्वरता बनाए रखने के लिए रासायनिक

खादों का अत्यधिक एवं असंतुलित मात्रा में प्रयोग नहीं करना चाहिए। साथ ही उनके द्वारा सभी किसान भाई को अपने खेतों में जीवाश्म एवं नत्रजन की उपलब्धता बनाए रखने के लिए गोबर की खाद, हरी खाद एवं जैविक खाद का प्रयोग करने की सलाह दी गई। कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानकि डॉ. पंकज कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि यदि किसान भाई रासायनिक खाद का प्रयोग असंतुलित मात्रा में या बहुत अधिक मात्रा में करते हैं तब भूमि में तत्वों की उपलब्धता बहुत कम हो जाती है और भूमि ऊसर एवं बंजर बन जाती है, जिससे फसलों के उत्पादन में भारी गिरावट आ जाती है एवं फसलों में कीटों और रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। सभी किसान भाइयों को आगाह किया गया कि अच्छे फसल उत्पादन के लिए अपने खेत में खाद का प्रयोग संतुलित मात्रा में करें एवं जैविक खाद, गोबर की खाद एवं हरी खाद का प्रयोग अधिक मात्रा में करना चाहिए। साथ ही फसल चक्र अपनाना चाहिए, जिससे भूमि की उर्वरता बनी रहे। मृदा परीक्षण प्रयोगशाल, चंदौसी (सम्भल) के अध्यक्ष अजय कुमार द्वारा उक्त कार्यक्रम में अवगत कराया गया कि मृदा नमूना के कुल लक्ष्य 16000 के सापेक्ष 70 प्रतिशत मृदा नमूना खरीफ में एवं 30 प्रतिशत मृदा नमूना रबी में एकत्र करने का निर्देश प्राप्त हुए हैं। जिस हेतु खरीफ के 70 प्रतिशत 11200 मृदा नमूना के सापेक्ष 11200 मृदा नमूना का संग्रहण भारत सरकार के सॉइल हेल्थ कार्ड मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से एकत्र कर लिए गए हैं, जिनके विश्लेषण उपरांत सभी 11200 मृदा नमूना का डाटा भारत सरकार के पोर्टल स्वाइल हेल्थ कार्ड पर फीड कर सभी 11200 मृदा स्वाइल हेल्थ कार्ड पोर्टल से जनरेट करने के उपरांत सम्बन्धित किसान भाइयों को उपलब्ध करा दिए गए हैं। साथ ही रबी के 30 प्रतिशत (4800 मृदा नमूना) भारत सरकार के सॉइल हेल्थ कार्ड मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से एकत्र कर लिए गए हैं, जिनके विश्लेषण उपरांत भारत सरकार के पोर्टल पर फीड कराकर कार्ड जनरेट करते हुए किसान भाइयों के लिए अति शीघ्र उपलब्ध करा दिए जाएंगे। उक्त कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक, सम्भल,सम्भल, कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक्ष डॉ महावीर सिंह एवं वैज्ञानिक डॉ पंकज, विषय वस्तु विशेषज्ञ चन्द्रपाल, मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, चंदौसी के अध्यक्ष अजय कुमार, कृषि विभाग के अन्य कर्मचारी एवं किसान भाई तथा स्कूल के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अन्त में सभी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

एसडीएम ने 14 सौ लोगों की मतदाता सूची ना मिलने की समस्या का किया समाधान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर पालिका अंतर्गत कृषक इंटरमीडिएट कॉलेज मल्लूडीह के प्रांगण में उपजिलाधिकारी कसया डॉ संतराज सिंह बघेल की उपस्थिति में एसआईआर को लेकर बीएलओ और बीएलए की संयुक्त बैठक हुई। मौके पर 14 सौ लोगों की मतदाता सूची ना मिलने की समस्या का समाधान एसडीएम श्री बघेल ने किया। शुक्रवार को हुई बैठक में मतदाता फॉर्म भरने में आ रही समस्याओं को सामाजिक कार्यकर्ता आशिक अली ने प्रमुखता से उपजिलाधिकारी के समक्ष रखा। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम श्री बघेल ने बारीकी से

सभी समस्याओं के समाधान का आसान जरिया बताया और अधिक से अधिक फॉर्म भरने/भरवाने की अपील की।

बताते चले की एसआईआर फॉर्म भरने में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान किया जा रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2003 में मल्लूडीह में तीन भाग था 178, 179 और 180 लेकिन जब तहसील द्वारा 2003 का जो तीनों भाग इस बार बीएलओ को उपलब्ध कराया गया तो उसमें 178 और 179 एक ही लिस्ट है।भाग संख्या 178 में जिसमें लगभग 14 सौ से अधिक लोग उस समय मतदाता हैं। उनका भाग संख्या 178 नहीं मिल रहा है और ना ही ऑनलाइन शो कर रहा है जिसके कारण स्थानीय वार्ड वासियों को जहां दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं 2003 के बाद से जिन बहन बेटियों की शादी अन्यत्र हुई है उन लोगों को भी 2003 का लिस्ट नहीं मिलने के कारण मतदाता सूची से नाम कटने का भय सता रहा है। इसी प्रकार कई समस्याओं को एसडीएम के सामने बीएलए द्वारा रखा गया। इस दौरान सभासद प्रतिनिधि धर्मेंद्र यादव, पूर्व सभासद प्रतिनिधि अमेरिकन खरवार, भाजपा नेता नंदू वर्मा, सर्वेश गुप्ता, हरि नेता, विनोद गुप्ता, ध्रुव नारायण कुशवाहा दीनानाथ पासवान, बीएलओ चंद्रप्रभा कुशवाहा मेनका गोंड़, रंजू चौबे, प्रमोद कुशवाहा, लेखपाल अशोक कनौजिया आदि उपस्थित रहे।

अवैध मिट्टी खनन पर खनन विभाग की बड़ी कार्रवाई, जेसीबी मशीन सीज

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- तहसील चंदौसी क्षेत्र के ग्राम सराय ज्वालापुरी में खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से मिट्टी खनन करते एक जेसीबी और गारा बनाने वाली मशीन को मौके पर पकड़ा। जानकारी के अनुसार, उक्त मशीनों का इस्तेमाल बिना किसी वैध अनुमति और बिना विनियमन शुल्क जमा किए एक निजी भट्ठे के लिए मिट्टी का खनन करने में किया जा रहा था। खननकर्ता ईंट पलोथन के लिए बड़े पैमाने पर मिट्टी निकाल रहे थे। खनन

निरीक्षक शिवम कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव में अवैध खनन हो रहा है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्होंने मौके पर पहुंचकर जेसीबी चालक सहित अन्य लोगों को रंगे हाथों पकड़ा। गारा बनाने वाली मशीन भी मौके से बरामद की गई। जेसीबी मशीन को सीज कर खनन निरीक्षक ने उसे थाना कुढ़फतेहगढ़ के सुपुर्द कर दिया, जहां अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। खनन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध खनन पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। अवैध खनन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन माफिया में हड़कंप मच गया है।

महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में जनपद के थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें

सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

मारपीट और जान से मारने की नीयत से फायरिंग के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

बबराला/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद सम्भल में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बबराला पुलिस ने सफलता हासिल की है। ग्राम मेहूआ हसनगंज निवासी भूपेन्द्र पुत्र भगवान सिंह ने थाना बबराला में तहरीर दी थी कि कुछ लोगों ने उनके भतीजे के साथ गाली-गलौज किया, ईंट-पत्थर मारे और जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। इस संबंध में थाना बबराला पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। आपको बता दें 5 दिसंबर को थाना बबराला पुलिस टीम ने मुकदमे के मुख्य आरोपी कैलाश पुत्र जीराज, निवासी मेहूआ हसनगंज, थाना बबराला, जनपद सम्भल को नंगलिया काजी चौराहा, मेहूआ हसनगंज की पुलिया के पास से

गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर पूर्ण अंकुश लगाने के लिए अभियान निरंतर जारी है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

यमुनानगरः थैलेसीमिया मरीजों की बढ़ती चिंता, दवाओं की किल्लत... 3 महीने में तीन मौतें

यमुनानगर : यमुनानगर जिले में थैलेसीमिया से जूझ रहे 121 मरीजों की हालत लगातार परेशान करने वाली बनती जा रही है। महंगी दवाओं की कमी, बार-बार रक्त चढ़ाने की आवश्यकता और आयरन ओवरलोड को कंट्रोल करने वाली दवाओं की अनुपलब्धता ने हालात को और गंभीर बना दिया है। पिछले तीन महीनों में जिले में तीन थैलेसीमिया मरीजों की मौत हो चुकी है, जिसने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। मरीजों के परिजनों और स्वयं थैलेसीमिया पीड़ितों ने बातचीत में बताया कि शरीर में आयरन की बढ़ती मात्रा को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक फैक्टर-8 इंजेक्शन, हीमोफीलिया इंजेक्शन और डेजीरॉक्स (Kelphar) टेबलेट उपलब्ध नहीं हैं। जो दवाएं मिल भी रही हैं, वे ज्यादातर बजाज कंपनी की हैं, जिन्हें लेना बेहद दर्दनाक बताया जा रहा है। मरीज वर्षों से सिप्ला कंपनी की दवाओं पर निर्भर थे, जो comparatively कम दर्द देती हैं, लेकिन अब उपलब्ध नहीं हो पा रही। पीड़ितों में थैलेसीमिया से ज्यादातर बच्चे पीड़ितों में थैलेसीमिया से ज्यादातर बच्चे हैं। हर 15–20 दिन में रक्त चढ़ाने की प्रक्रिया इन बच्चों के लिए किसी मानसिक और शारीरिक यातना से कम नहीं। अस्पताल की गलियों में हाथों में खून के पैकेट लिए यह मासूम बच्चे ऐसी पीड़ा झेल रहे हैं, जिसकी कल्पना आम व्यक्ति भी नहीं कर सकता।सिविल अस्पताल प्रबंधन भी

नियमित रूप से मरीजों की सहायता करने का प्रयास करता है, लेकिन दवाओं की उपलब्धता सरकारी सप्लाई पर निर्भर होने के कारण राहत सीमित रह जाती है।जिले में लगभग 120–121 थैलेसीमिया पेशेंट रजिस्टर्ड हैं जिले में वर्तमान में लगभग 120झ121 थैलेसीमिया पेशेंट रजिस्टर्ड हैं, जिनमें अधिकतर बच्चे शामिल हैं और उनका उपचार यहीं चल रहा है। इन बच्चों को महीने में तीन बार ब्लड चढ़ाना पड़ता है। बार-बार ब्लड चढ़ने से शरीर में आयरन बढ़ जाता है, जिससे कई अंगों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस आयरन को नियंत्रित करने के लिए विशेष दवा की जरूरत होती है। पिछले तीन महीनों में जिले में तीन थैलेसीमिया मरीजों की मौत भी हुई है। हालांकि यह मौतें दवा या इंजेक्शन की कमी की वजह से नहीं, बल्कि बीमारी की प्राकृतिक गंभीरता के कारण हुई हैं। फिर भी स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि इलाज का निरंतर उपलब्ध रहना बेहद जरूरी है।

अस्पताल में डेजीरॉक्स टैबलेट्स उपलब्ध हैं और इन्हें बच्चों को समय पर दिया जाता रहा है। इंजेक्शन और टैबलेट, दोनों की कमी की स्थिति लगभग समान है। हमारा जिला वेयरहाउस भी कैथल, हिसार और भिवानी जैसे अन्य वेयरहाउसों के साथ समन्वय कर रहा है ताकि दवाओं की आपूर्ति जारी रह सके। फिलहाल जिले में टैबलेट्स की थोड़ी कमी है। कैथल हेडक्वार्टर से बात की गई है, जहां भी सीमित स्टॉक है, इसलिए हम अन्य वेयरहाउस से दवाइयां मंगवाने की प्रक्रिया में हैं। उम्मीद है कि 10-12 दिनों के भीतर आवश्यक टैबलेट्स जिले में उपलब्ध हो जाएंगी।

ऋषिकेश घूमने गए थे हरियाणा के 4 दोस्त, हुआ कुछ ऐसा कि चली गई 1 की जान

पानीपत : दुखद खबर सामने आ रही है। दोस्तों के साथ ऋषिकेश घूम कर वापिस लौट रहे पानीपत के इंजीनियरिंग फाइनल ईयर के छात्र की सड़क हादसे में मौत हो गई। यह हादसा ऋषिकेश से पानीपत आते समय कैराना में हुआ। हादसे में कार डिवाइडर से टकराई थी। कार में चार दोस्त सवार थे जिसमें 22 वर्षीय अंकित की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि अंकित अपने दोस्तों के साथ ऋषिकेश घूमने के लिए गया हुआ था। वापस आते समय उत्तर प्रदेश के कैराना के पास कार डिवाइडर से टकरा गई। कार में अंकित साहित 4 दोस्त सवार थे। इस हादसे में 22 वर्षीय अंकित को गंभीर

चोट आई, जिसके बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया गया। आज इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अंकित सॉफ्ट इंजीनियरिंग फाइनल ईयर का छात्र था।

कुछ दिन में उसका डिप्लोमा भी आने वाला था। अंकित अपने परिवार के साथ पानीपत के अर्जुन नगर में रहता था और उसके पिता मजदूरी का काम करते हैं।

वही अंकित का परिवार मूल रूप से बिहार का रहने वाला है। फिलहाल मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल में लाया गया,

जहां पर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

आत्महत्या केस में मु ख्य सचिव ने एसआईटी को सौंपा रिकॉर्ड, 28 लोगों के बयान दर्ज हो चु के

चंडीगढ़ः एडीजीपी वाई पूरण कुमार आत्महत्या मामले की जांच कर रही एसआईटी की सदस्य और चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर रिकॉर्ड लेने वीरवार को मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी के कार्यालय पहुंचीं। सूत्रों के अनुसार मुख्य सचिव ने एसएसपी को मौके पर ही काफी रिकॉड मंगवाकर उपलब्ध करवा दिया। हालांकि कुछ रिकॉर्ड एसआईटी को देने के लिए उन्होंने अफसरों को निर्देश दिए। यह मुलाकात लगभग 20 मिनट तक चली। एसआईटी ने हरियाणा सरकार से पूरण कुमार के सुसाइड नोट में शामिल अधिकारियों का रिकॉर्ड मांगा था। इसके अलावा रोहतक में पूरण कुमार के गनमैन के खिलाफ दर्ज केस से जुडा रिकॉर्ड मांगा था। इसमें से कुछ रिकॉर्ड एसआईटी को नहीं मिल पाया था। लंबे इंतजार के बाद एसआईटी प्रमुख आईजी पुष्पेंद्र कुमार ने एसएसपी कंवरदीप कौर और एसपी सिटी को खुद जाकर रिकॉर्ड लेने के निर्देश दिए। अब एसआईटी सुसाइड नोट में शामिल आरोपी अधिकारियों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी कर सकती है। संवाद आत्महत्या आत्महत्या मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी 28 लोगों के बयान दर्ज कर चुकी है। इनमें अधिकतर रोहतक के पुलिस कर्मचारी हैं। एसआईटी ने अब तक पूरण कुमार की तैनाती से जुड़े स्टाफ, केस से संबंधित अधिकारियों व अन्य जुड़े कर्मचारियों के बयान दर्ज किए हैं। गनमैन रहे सुशील से भी रोहतक जेल में पूछताछ की थी। पुरण कुमार के करीबी दोस्त, वकील और अन्य परिचितों के भी वयान लिए गए हैं। जिनका नाम पूरण कुमार ने अपने सुसाइड नोट में लिखा था वे जांच के दायरे में शामिल नहीं किए गए हैं। उन्होंने सुसाइड नोट में 15 अधिकारियों का जिक्र किया था, जिनमें से 11 पर गंभीर रूप से परेशान करने के आरोप लगाए थे।6 अक्तूबर की रात को सुशील को रोहतक पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उस पर शराब कारोबारी प्रवीण बंसल से ढाई लाख रुपये प्रति माह रिश्वत मांगने का आरोप है। गिरफ्तारी के अगले दिन सात अक्तूबर को वाई पूरण कुमार ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। वहीं अब एसआईटी जांच कर रही है कि क्या वाई पूरण कुमार ने रोहतक में दर्ज एफआईआर के कारण यह कदम तो नहीं उठाया।

50 साल पुरानी मांग स्वीकार, इस जिले में बिछाई जाएगी नई रेललाइन...ये शहर होंगे कनेक्ट

हरियाणा : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से करीब 80 किलोमीटर दूर स्थित हरियाणा का नूंह जिला अब रेलवे नेटवर्क से जुड़ने जा रहा है। केंद्र सरकार ने नूंह क्षेत्र की लगभग 50 साल पुरानी मांग को स्वीकार कर लिया है। दिल्ली से सोहनाझनूंहझ फिरोजपुर झिरकाझअलवर तक नई रेल लाइन बिछाने की मंजूरी दे दी गई है। इस परियोजना के लिए 2,500 करोड़ रुपये की राशि रेलवे को जारी कर दी गई है। नई रेल लाइन की लंबाई 104 किलोमीटर होगी और इसके तहत सात नए रेलवे स्टेशन बनाए जाएंगे। यह परियोजना हरियाणा और राजस्थान, दोनों राज्यों के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। रेल मंत्रालय के अनुसार, इस लाइन के निर्माण का काम अगले तीन वर्षों

में पूरा कर लिया जाएगा। नूंह, जिसे पहले मेवात के नाम से जाना जाता था, वर्ष 2005 में गुरुग्राम से अलग होकर जिला बना। यह जिला अब तक रेल नेटवर्क से नहीं जुड़ा था, जिससे यहां के लोगों को रोजगार और आवाजाही में कठिनाई होती थी। अब नई रेल लाइन के निर्माण से इस क्षेत्र के लोगों को न केवल यात्रा में सुविधा मिलेगी, बल्कि स्थानीय उद्योग, व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत शुरू की गई है, जिसमें देश के 115 अति पिछड़े जिलों को विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। नूंह भी इन्हीं जिलों में शामिल है। इस रेल परियोजना की मांग पहली बार 1971 में गुड़गांव के तत्कालीन सांसद चौधरी तैयब हुसैन ने संसद में रखी थी। तब से लेकर अब तक यह मांग कई बार दोहराई गई। हाल ही में भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद धर्मबीर सिंह और गुरुग्राम के सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने भी इस परियोजना को लेकर जोर दिया था। केंद्र सरकार ने पिछले बजट में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। नई रेल लाइन के जरिए दिल्ली से अलवर को सोहना, नूंह और फिरोजपुर झिरका के रास्ते जोड़ा जाएगा। इस परियोजना के पूरा होने के बाद मेवात क्षेत्र का सीधा रेल संपर्क दिल्ली से स्थापित होगा। रेल मंत्रालय के अनुसार, यह परियोजना 2028 तक पूरी हो सकती है।

पानीपत में रिटायर्ड आईपीएस के बेटे ने दी जान, डिप्रेशन में था मृतक संदीप

पानीपत : पानीपत जिले के 13/17 सेक्टर में रिटायर्ड आईपीएस गोविन्द हुड्डा के बेटे 47 वर्षीय संदीप ने लाइसेंसी रिवाल्वर से सुसाइड कर लिया। डीएसपी ने बताया कि संदीप डिप्रेसन में था और इलाज ले रहा था। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाने के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल में शव रखवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों ने बताया कि संदीप अपने जीजा के साथ दवाइयों का काम करता था।

गरीब परिवार की बेटी ने लहराया परचम, बास्केटबॉल चैंपियनशिप में जीता रजत, अनिल विज ने किया सम्मानित

अंबाला : अंबाला की एक साधारण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ा मुकाम हासिल किया है। जूनियर इंटरनेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर अंजली ने अंबाला ही नहीं बल्कि पूरे हरियाणा और देश का नाम रोशन किया है। घर में जश्न का माहौल है।

आज अंजली अपने परिवार के साथ कैबिनेट मंत्री अनिल विज से मिली, जहां मंत्री विज ने उसे आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। अंजली की कहानी संघर्ष और हौसले की मिसाल है। उनके पिता चाय की दुकान पर काम करते हैं, लेकिन आर्थिक चुनौतियों के बावजूद अंजली ने खेल को कभी नहीं छोड़ा। जुनून और मेहनत के दम पर उन्होंने गलतियों से सीखते हुए

आगे बढ़ना जारी रखा। उनकी प्रतिभा को पहचान मिली जब यूपी के अलीगढ़ में लगे कैंप के दौरान एक महीने की ट्रेनिंग के बाद उनका चयन अंतरराष्ट्रीय टीम में हुआ।इसके बाद अंजली थाईलैंड गई, जहां 9 देशों की टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का सामना उज्बेकिस्तान से हुआ, जिसमें भारत को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा और अंजली को रजत पदक मिला। अंजली का कहना है कि यह तो बस शुरूआत है और भविष्य में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतना उनका लक्ष्य है।

यमुनानगर में मेयर व आयुक्त को सड़क चौड़ीकरण में मिली खामियां, 2 जेई को नोटिस

यमुनानगर : यमुनानगर मेयर सुमन बहमनी और नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने वीरवार को वार्ड-8 में डीएवी डेंटल कॉलेज के पास चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया। लगभग 12 लाख रुपये की लागत से लक्ष्मी टी स्टॉल से आरसी पाहुजा के घर तक सड़क चौड़ीकरण का काम किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान आयुक्त महाबीर प्रसाद ने इंटरलॉकिंग टाइलों को उखाड़कर गुणवत्ता की जांच की। जांच में पाया गया कि सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री उच्च गुणवत्ता की नहीं थी तथा कई जगहों पर बेहद कम सामग्री डाली गई थी। गुणवत्ता में कमी देखकर मेयर और आयुक्त ने वहां मौजूद नगर निगम के कनिष्ठ अभियंताओं से निगरानी को लेकर पूछताछ की। लेकिन वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद आयुक्त ने दो कनिष्ठ अभियंताओं को कारण बताओ नोटिस जारी करने और संबंधित एजेंसी की पेमेंट रोकने के निर्देश दिए। कार्यकारी अभियंता ने मौके से टाइलों के नमूने लेकर जांच प्रक्रिया शुरू की। आयुक्त ने निर्देश दिए कि संबंधित एजेंसी को दिए गए अन्य विकास कार्यों की भी गुणवत्ता जांच की जाए। मेयर सुमन बहमनी ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं। ऐसे में गुणवत्ता पर कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम प्रशासन हर वार्ड में किए जा रहे विकास कार्यों की जांच करेगा और जहां भी लापरवाही मिलेगी, वहां संबंधित अधिकारियों व एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि डीएवी डेंटल कॉलेज के पास सड़क चौड़ीकरण के निरीक्षण में स्पष्ट रूप से क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों में कमी पाई गई। ठेकेदार ने लापरवाही बरती और जेई अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल रहे।

इसलिए दोनों जेई को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्यों का वे स्वयं निरीक्षण करेंगे। यदि कहीं भी कार्य में कोताही मिली तो संबंधित एजेंसी और अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खबर एक्सप्रेस

खुशियों को लगी बुरी नजर, शादी में डीजे में लगी आग....गाड़ी-लैपटॉप-जनरेटर समेत सबकुछ जलकर राख

करनालः करनाल जिला में तरावड़ी के वार्ड नंबर-4 की राणा कालोनी में एक डीजे वाली गाड़ी में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते गाड़ी जलकर राख हो गई। डीजे की गाड़ी एक शादी समारोह में आई हुई थी। मामले की जानकारी देते हुए तानिष नाम के युवक जिसके भाई की शादी है, ने बताया पड़ोसियों द्वारा आग लगने की जानकारी हमे मिली थी। बाहर आकर देखा तो डीजे वाली गाड़ी पूरी तरह से जल रही थी। पानी डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया लेकिन तब तक गाड़ी में रखा सामान जल कर राख हो गया था। युवक द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया तकरीबन तीन और 4:00 बजे के बीच में आग लगने की घटना हुई थी। गाड़ी और डीजे उनका खुद का था । परिवार के अन्य व्यक्ति द्वारा मामले की जानकारी देते हुए बताया गया देर रात तक डीजे पर सभी लोगो ने डांस किया । 3 और 4 बजे के बीच में हमे पड़ोसियों ने उठाया जब हमने बाहर आकर देखा तो डीजे वाली गाड़ी में आग लगी हुई थी । फिलहाल डीजे वाली गाड़ी में आग किसने लगाई यह तो जांच का विषय है इस बारे में अभी तक कोई भी पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है। परिवार में शादी है परिवार पुलिस को जानकारी देगा या नहीं इस बारे में भी अभी कुछ कहा नहीं जा सकता।

दोस्त की इस गलती से गई साथी की जान, रेलवे फाटक के पास मिला था शव, परिजनों लगाया था हत्या का आरोप

कैथल : कैथल के रामनगर रेलवे फाटक के पास एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट (SDU) की कार्रवाई में आरोपी को सिरसा से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को अब कोर्ट में पेश किया जाएगा। डीएसपी गुरविंद्र सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान डेहा बस्ती का 20 वर्षीय आशु के रूप में हुई थी। शुरूआती जांच में हत्या की आशंका जताई गई थी, लेकिन आगे की पड़ताल में घटना की सच्चाई पता चली। रिपोर्ट के मुताबिक आशु और उसका मित्र अजय उर्फ गुंगा 4 दिसंबर की सुबह ट्रक से जीरी के कट्टे चोरी कर रहे थे। कट्टे उतारते समय अजय ने गलती से उस रस्से को काट दिया, जिस पर आशु लटका हुआ था। इससे आशु नीचे गिरकर गंभीर रूप से सिर में चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक पर भी पहले से केस दर्ज था।पुलिस ने बताया कि अजय ने युवक को बाइक से रेलवे फाटक के पास छोड़ दिया और फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल की नजदीकी सीसीटीवी व गवाहों के बयान लेकर तीव्रता से जांच की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया गया है तथा मामले में लागू कानूनी धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई जारी है।

10 साल में इतना गुना बढ़ा टोल टैक्स, प्रति व्यक्ति से इतने रुपये की टोल वसूली

हरियाणा : हरियाणा में वाहन चालकों से ज्यादा टोल वसूला जा रहा है। पिछले साल के मुकाबले इस साल अक्टूबर तक गुजरात में टोल वसूली 1928.57 करोड़ रुपये कम हुई है, जबकि हरियाणा में इस अवधि में 368.57 करोड़ रुपये अधिक टोल वसूली हुई है। आंकड़ों के मुताबिक हरियाणा में टोल वसूली 2014-15 में 461.88 करोड़ से बढ़कर 2025–26 में 2,324.95 करोड़ यानी पांच गुना बढ़ गई है। दीपेंद्र हुड्डा के सवाल के जवाब में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में यह जानकारी दी। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा से तीन गुना बड़े प्रदेश गुजरात से ज्यादा टोल यहां वसूला जा रहा है। टोल वसूली के नाम पर हरियाणा की जनता की जेब खाली हो रही है। गुजरात में 62 टोल हैं, जबकि हरियाणा में 75 टोल के माध्यम से वसूली हो रही है। हरियाणा में टोल वसूली ज्यादा और बजट आवंटन कम है। केंद्र सरकार ने 3500 करोड़ के खेल बजट में से केवल 80 करोड़ ही हरियाणा को दिया है, जबकि गुजरात को 600 करोड़ का खेल बजट दिया। दीपेंद्र हुड्डा ने बताया कि हरियाणा में प्रति व्यक्ति सबसे ज्यादा 917.1 रुपये की टोल वसूली हो रही है।

हरियाणा के इस शहर को मल्टी स्टोरी पार्किंग का तोहफा

हिसार : हरियाणा से अच्छी खबर सामने आ रही है जहां हिसार शहर के सिटी थाना के सामने प्रस्तावित मल्टी स्टोरी पार्किंग बनाने की योजना 11 साल बाद सिरे चढ़ी। हिसार शहर के नगर निगम आयुक्त नीरज कुमार ने बताया कि मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में हिसार शहर में मल्टी स्टोरी पार्किंग स्थल बनाने की योजना को हरी झंडी दिखा दी गई है। उन्होंने बताया कि यह जमीन जीएलएफ की हैं, जो लगभग 2 एकड़, 1 कनाल और 12 मरले है। जो नगर निगम को लगभग 15 करोड़ रुपए में हस्तांतरित हुई है। जानें इसकी खासियत इस पार्किंग स्थल का डिजाइन राष्ट्रीय औद्योगिक संस्थान कुरूक्षेत्र द्वारा तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य पर एजेंसी द्वारा 167 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस पार्किंग स्थल पर एक साथ 850 वाहनों के खड़े होने की सुविधा मिलेगी। पूरे पार्किंग स्थल को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा जाएगा। नगर निगम इस जमीन को 99 साल के पट्टे पर एजेंसी को देगी। पार्किंग स्थल पर 3 बेसमेंट, भू- तल और 3 बहुमंजिला इमारत बनेगी। ग्राउंड फ्लोर पर 1025 वर्ग मीटर का कम्यूनिटी हॉल बनाया जाएगा। कम्यूनिटी हॉल के रखरखाव की जिम्मेदारी नगर निगम के पास होगी, बाकी हिस्से की जिम्मेदारी एजेंसी के पास रहेगी।

किलर चाची' को लेकर हुए कई नए खुलासे, भतीजे सन्नी ने खोले कई राज

पानीपतः तीन बच्चियों और बेटे की हत्यारोपित पूनम के हैरान कर देने वाले पहलू सामने आ रहे हैं। मां, भाई और चचेरे भाइयों और भतीजे ने कई रहस्योद्घाटन किए हैं। उनके अनुसार, पूनम की हैवानियत अचानक नहीं उपजी, बल्कि भीतर ही भीतर पनप रही जलन, मनोविज्ञानी दबाव और विकृत सोच की खतरनाक परिणति है। ताऊ के लड़के सुरेंद्र के मुताबिक, बचपन के समय जब भी घर में किसी की सुंदरता की तारीफ होती तो पूनम भीतर ही भीतर रंज पालने लगती थी। इसी के साथ पूनम के कुछ वीडियो भी सामने आ रहे हैं, जिनमें वह बच्चों के साथ डांस करती हुई नजर आ रही है। बच्चों को भरोसे में लेने के लिए वह उनके साथ डांस करती और उन्हें चीजें दिलाती। अब भतीजे सन्नी ने भी जो राज खोले, उसने परिवार को झकझोर कर रख दिया। सन्नी ने बताया कि कुछ दिन पहले पूनम उसे माल में घुमाने ले जाना चाहती थी। सन्नी से कहा था कि घर में किसी को मत बतानाड्ड और फोन स्विच आफ कर देना। मासूम को लगा कि उसे सरप्राइज देने वाली हैं लेकिन जांच में सामने आ रहा है कि पूनम शायद उसी समय कोई वारदात करने की फिराक में थी। पूनम ने यह योजना बनाई थी, उस दिन सभी हरिद्वार जाने वाले थे। पूनम को लेकर कई बड़े और नए खुलासे हुए हैं। वह बच्चों को भरोसे में लेने के लिए कई तरह के तरीके अपनाती। वह उन्हें खाने की चीज दिलाती

दिल्ली की पॉश सोसाइटियों में सीवर ओवरफ्लो का संकट, सड़कों पर बह रहा मलजल

साउथ दिल्ली। साउथ दिल्ली की पॉश सोसायटियों में रहने वालों को सीवर ब्लॉकेज और सीवर ओवरफ्लो की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह से गंदगी और बदबू फैल रही है, साथ ही पानी की सप्लाई भी खराब हो रही है। साकेत, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी और ईस्ट ऑफ कैलाश की आरडब्ल्यूए ने दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित लोगों के प्रतिनिधियों से लिखित शिकायत की है, जिसमें इस समस्या के तुरंत और सही समाधान की मांग की गई है, जो सेहत और सफाई के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों का कहना है कि सोसायटियों में सालों पहले सीवरेज और पानी की पाइपलाइन बिछाई गई थी। ये पाइपलाइन अब पूरी तरह से खराब हो चुकी हैं, जिसकी वजह से अक्सर सीवर ब्लॉकेज और ओवरफ्लो होते रहते हैं। सड़कों पर बहने वाला सीवर का पानी अक्सर पानी की पाइपलाइनों के जरिए घरों तक पहुँच जाता है, जिससे सेहत के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है। आरडब्ल्यूए ने जल बोर्ड को पत्र लिखकर सीवेज ब्लॉकेज के कारणों की जांच करने, सही समाधान खोजने, खराब पाइपलाइनों को बदलने और पानी की सप्लाई में गंदगी जाने से रोकने के लिए तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायतों के बावजूद कोई हल नहीं निकला न्यू फ्रेंड्स को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी के ट्रेजरर अरुण जग्गी ने बताया कि ब्लॉक ए, बी, सी और डी में अक्सर सीवर ओवरफ्लो होता है। महारानी बाग लाइन, जो किलोकरी के रळढ तक सीवेज ले जाती है, पिछले तीन महीने से ब्लॉक है, जिससे पूरे इलाके में सीवेज डिस्पोजल की हालत और खराब हो गई है। न्यू फ्रेंड्स को-ऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड ने इस मामले में जल बोर्ड में शिकायत की है। साउथ दिल्ली के एमपी रामबीर सिंह बिधूड़ी ने भी जल बोर्ड को लेटर लिखकर एक्शन लेने की रिक्वेस्ट की है, लेकिन कोई हल नहीं निकला है। इस वजह से होता है ओवरफ्लो फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए, साकेत के प्रेसिडेंट राकेश डबास बताते हैं कि पुरानी सीवर पाइपलाइन खराब हो गई हैं, जिससे पॉश कॉलोनियों में भी रहने वालों को बुरी हालत का सामना करना पड़ रहा है। सीवेज इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ती हाउसिंग यूनिट्स का बोझ नहीं उठा पा रहा है। जल बोर्ड को लेटर लिखकर इस प्रॉब्लम का तुरंत सही हल निकालने की मांग की गई है, और जरूरी सुझाव भी दिए गए हैं। मांग है कि संबंधित विभाग इलाके का इंस्पेक्शन करे, असली स्थिति का पता लगाए और उसके हिसाब से सही एक्शन ले।

दिल्ली एयरपोर्ट से आज आधी रात तक इंडिगो की सभी उड़ानें रद्द, यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। दिल्ली समेत देशभर के हवाई अड्डों पर इंडिगो एयरलाइंस की संचालन से जुड़ी समस्याओं के चलते हजारों यात्री परेशान हैं। इसी बीच दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आज आधी रात तक इंडिगो एयरलाइंस की सभी प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। वहीं दूसरी तरफ डीजीसीए ने विमानन क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाते हुए चालक दल के सदस्यों के लिए साप्ताहिक विश्राम से जुड़े अपने हालिया सख्त निर्देशों को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। इंडिगो ने यात्रियों से मांगी माफी, पूरा रिफंड देंगे दिल्ली एयरपोर्ट के बाद इंडिगो ने एक बयान जारी किया है। इंडिगो ने लगातार हो रही फ्लाइट डिले और कैंसलेशन के बीच कहा कि हम कन्फर्म करते हैं कि पांच दिसंबर को दिल्ली एयरपोर्ट से जाने वाली सभी इंडिगो डोमेस्टिक फ्लाइट्स रात 11:59 बजे तक कैंसिल रहेंगी। हम अपने सभी वैल्यूड कस्टमर्स और स्टेकहोल्डर्स से दिल से माफी मांगते हैं जो इन अचानक हुई घटनाओं से बहुत ज्यादा प्रभावित हुए हैं। अपने प्रभावित कस्टमर्स की मदद के लिए, हम उन्हें रिफ्रेशमेंट, उनकी पसंद के अनुसार अगली उपलब्ध फ्लाइट के ऑप्शन, होटल में रहने की जगह, उनका सामान वापस पाने में मदद और लागू होने पर पूरा रिफंड दे रहे हैं। इंडियो के यात्रियों के लिए एडवाइजरी दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि 5 दिसंबर 2025 को दिल्ली एयरपोर्ट से जाने वाली

दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से आज आधी रात तक इंडिगो एयरलाइंस की सभी प्रस्थान उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट की ओर से यह जानकारी साझा की गई है।

इंडिगो की डोमेस्टिक फ्लाइट्स आज आधी रात तक (रात 23:59 बजे तक) कैंसिल कर दी गई हैं। बाकी सभी एयरलाइंस का ऑपरेशन तय समय के मुताबिक ही रहेगा। आगे कहा कि हमारी डेडिकेटेड ऑन-ग्राउंड टीमें इस रुकावट को कम करने और पैसेंजर्स को आरामदायक अनुभव देने के लिए सभी पार्टनर्स के साथ मिलकर पूरी लगन से काम कर रही हैं। जिन यात्रियों को किसी भी मेडिकल मदद की जरूरत है, वे हमारे ग्राउंड स्टाफ या हेल्प डेस्क या टी3 डोमेस्टिक पियर जंक्शन पर सेल्फ मेडिकेशन रूम, टी2 में पोस्ट सिक्योरिटी सेल्फ मेडिकेशन रूम और टी1 पर डिपार्चर मेडिकल सेंटर में मेडिकल स्टाफ से संपर्क कर सकते हैं। इतना ही नहीं अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी ऑफिशियल वेबसाइट देखें www.newdelhiairport.in इंडिगो मामले पर सपा का रिएक्शन इंडिगो फ्लाइट में रुकावटों पर समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने कहा कि कई यात्रियों को दिक्कतें हो रही हैं। सरकार को दखल देना चाहिए और अगर जरूरत पड़े तो इंडिगो एयरलाइंस को सपोर्ट देना चाहिए। इंडिगो की फ्लाइट्स कैंसिलेशन का सिलसिला जारी देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के लिए उड़ानें रद्द होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है।

खराब मौसम, क्रू की कमी और अन्य परिचालन संबंधी दिक्कतों के चलते इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें लगातार रद्द हो रही हैं, जिससे देशभर के हवाई अड्डों पर यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर उड़ानों के रद्द होने का सबसे ज्यादा असर देखा जा रहा है।

आतंकी उमर की मदद करने वाले शोएब को राहत नहीं, एनआईए कस्टडी 10 दिन और बढ़ी

नई दिल्ली। लाल किला बम ब्लास्ट मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपी फरीदाबाद निवासी शोएब की राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत 10 दिनों के लिए और बढ़ा दी है। यह निर्णय तब आया जब शोएब की पूर्व में दी गई 10 दिनों की कस्टडी समाप्त हो गई और उसे कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। लाल किला बम ब्लास्ट मामला एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है, जिसमें कई महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां हुई हैं। उसकी पिछली हिरासत के दौरान एनआईए ने उससे गहन पूछताछ की थी और मामले से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुराग जुटाने का प्रयास किया था। 10 दिनों की कस्टडी समाप्त होने के बाद, शोएब को शुक्रवार को पटियाला हाउस कोर्ट में न्यायाधीश के समक्ष प्रस्तुत किया गया। एनआईए ने कोर्ट से आरोपी की कस्टडी बढ़ाने की मांग की, जिसके पीछे मामले की आगे की जांच, अन्य आरोपियों की पहचान और संभावित षड्यंत्र के खुलासे जैसे तर्क दिए गए। कोर्ट ने एनआईए की दलीलों को स्वीकार करते हुए शोएब को 10 दिनों की और एनआईए कस्टडी में भेज दिया है।

इस साल 10,000 भारतीय छात्रों को मिलेगा रूसी विवि में दाखिला; दिल्ली में खुली पहली रशियन एजुकेशन एजेंसी

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के साथ ही सिनर्जी कॉर्पोरेशन और इनोप्रैक्टिका डॉट इंडिया ने संयुक्त प्रोजेक्ट के तहत दिल्ली में रशियन एजुकेशन एजेंसी खोली है। इस साल 10 हजार छात्रों को रूसी विश्वविद्यालयों में दाखिला दिलाने की योजना है। इसका मकसद, भारत-रूस के बीच पुराने संबंधों को मजबूत, दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक, वैज्ञानिक व सामाजिक संबंध विकसित करने और भारतीय छात्रों को रूस में उच्च शिक्षा दिलवाने में सहयोग करना है। यह शाखा यूनिवर्सिटी के आवेदनकताओं के लिए स्पोर्ट सेंटर के तौर पर काम करेगी। साल 2026 में मुंबई और चेन्नई में इसकी शाखा खोली जाएंगी। सिनर्जी कॉर्पोरेशन के प्रेजीडेंट, वादिम लोबोव ने कहा, यहां पर यूनिवर्सिटी व अध्ययन का प्रोग्राम चुनने, एडमिशन प्रक्रिया, वीजा हासिल करने समेत अन्य जरूरी पेपरवर्क पूरा करने में मदद मिलेगी। इससे भारतीय छात्रों को रूस में उच्च शिक्षा पाने की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। यह अंतरराष्ट्रीय अकादमिक उत्कृष्टता की नींव पर अपना भविष्य बना सकेंगे। दरअसल, रूस से उच्च शिक्षा हासिल करने वाले युवा आज दोनों देशों की संस्कृतियों के बीच मित्रता दूत का काम कर रहे हैं। एजेंसी ने कई रूसी यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी की है।

दिल्ली पुलिस का समयपुर बादली में अवैध बार क्लब पर छापा, संचालक समेत 25 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने समयपुर बादली क्षेत्र में देर रात अवैध रूप से चल रहे बार-कम-क्लब का भंडाफोड़ कर 25 लोगों को पकड़ लिया है, जिनमें संचालक, ग्राहक और स्टाफ शामिल हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, 3 और 4 दिसंबर की रात यह कार्रवाई तब की गई जब सूचना मिली कि समयपुर मेन चौक स्थित एक इमारत की दूसरी मंजिल पर अवैध बार संचालित हो रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने कई पुरुषों को संदिग्ध तरीके से इमारत में प्रवेश करते देखा। डीसीपी (आउटर नॉर्थ) हरेश्वर स्वामी ने बताया कि टीम ने उनका पीछा किया और थ्री बॉक्सेज कैफे नाम से चल रहे एक कैफे में पहुंची, जहां तेज आवाज में संगीत बज रहा था और निर्धारित समय के बाद भी शराब परोसी जा रही थी। अंदर लगभग 16 पुरुष (उम्र 20झ्र30 वर्ष) और सात से आठ महिलाएं (उम्र 20झ्र25 वर्ष) सोफों पर बैठकर शराब पीते और फैंसी हुक्का पीते मिले। वहीं, तीन से चार वेटर उन्हें शराब परोस रहे थे। रसोई के रेफ्रिजरेटर में शराब का स्टॉक भी मिला, स्वामी ने कहा। बार संचालन से संबंधित दस्तावेज मांगे जाने पर कैफे के प्रबंधक अनिल कोई लाइसेंस या अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सके। न शराब परोसने का, न बार चलाने का और न ही हुक्का संचालन का। इसके बाद पुलिस ने स्थल से बरामद सामग्री जब्त की, जिसमें 37 बीयर के कैन, दो व्हिस्की की बोतलें, एक खाली शराब बोतल, सातझ्रआठ हुक्के, म्यूजिक सिस्टम, एम्प्लीफायर, स्पीकर और 50 रुपये मूल्य के कई फर्जी/गेमिंग नोट शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि मामला दिल्ली आबकारी अधिनियम और सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। पकड़े गए लोगों में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के निवासी शामिल हैं। आगे की जांच जारी है।

दिल्ली समेत ये छह प्रमुख स्टेशनों पर बनेंगे डीलक्स पे एंड यूज शौचालय, रेलवे का सफाई पर जोर

नई दिल्ली। रेलवे ने यात्रियों की सबसे बड़ी शिकायतों में से एक स्टेशनों पर स्वच्छ और पर्याप्त शौचालयों की कमी को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उत्तर रेलवे ने दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन, सराय रोहिल्ला, मोदीनगर, हरियाणा के जींद जंक्शन, नरवाना, मोदीनगर और पंजाब के मानसा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर डीलक्स पे-एंड-यूज शौचालय बनाने की तैयारी की है। इन स्टेशनों पर लंबे समय से आधुनिक व स्वच्छ शौचालयों की मांग की जा रही थी। नई व्यवस्था के तहत हजरत निजामुद्दीन में दो साइट तय की गई है। इन स्टेशनों पर रोजाना हजारों यात्री आते-जाते हैं। कई बार अचानक आने वाली भीड़ और पुराने ढांचे के कारण यात्रियों को शौचालय संबंधी सुविधाओं के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है। डीलक्स शौचालय बनने से यात्रियों खासकर महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों बड़ी राहत मिलेगी। शौचालयों की डिजाइनिंग इस प्रकार की जाएगी कि दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों के लिए अलग से उपयोगी और सुरक्षित स्थान बनाए जा सकें। स्टेशन प्रबंधन में मिलेगी मदद, होगा नियमित रखरखाव पे एंड यूज मॉडल से रेलवे को भी नियमित रखरखाव के लिए आर्थिक सहायता मिलेगी। इससे सुविधाओं को लंबे समय तक सुचारू रूप से चलाया जा सकेगा। रेलवे लगातार स्टेशनों के आधुनिकीकरण और स्वच्छता को लेकर कदम उठा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप रेलवे भविष्य में इन सुविधाओं को और विस्तार दे सकता है। जिन स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, वहां भी ऐसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इनके रखरखाव के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल भुगतान प्रणाली भी जोड़ी जा सकती है। भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर स्वच्छता प्राथमिकता दिल्ली सराय रोहिल्ला और हजरत निजामुद्दीन जैसे बड़े स्टेशनों पर रोजाना लंबी दूरी की ट्रेनों के साथ-साथ लोकल और पैसेंजर ट्रेनों की भी आवाजाही रहती है। ऐसे में इन स्टेशनों पर स्वच्छता प्रबंधन को हमेशा चुनौतीपूर्ण माना जाता है। नई पहल के तहत तैयार किए जाने वाले शौचालयों में आधुनिक निर्माण सामग्री, लाईटिंग, बेहतर वेंटिलेशन, साफ पानी, बच्चों के लिए छोटे साइज के कमोड, वरिष्ठ नागरिकों के लिए हैंड रेल, हैंड वॉश की बेहतर व्यवस्था और समय-समय पर सफाई के लिए कर्मियों की तैनाती की जाएगी। रेलवे को यात्रियों की शिकायतों से मिलेगा छुटकारा सोशल मीडिया पर रेलवे स्टेशनों के शौचालयों में अस्वच्छता व खराब हालत की शिकायतें मिलती रही है। मौजूदा शौचालय या तो अपर्याप्त हैं या उनकी हालत खराब है। कई बार यात्रियों को लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ता है। मोदीनगर और नरवाना जैसे स्टेशनों पर अक्सर लोकल रूट पर यात्रा करने वाले लोग बड़ी संख्या में आते हैं।

तेज हवाओं ने प्रदूषण को किया कम, फिर भी दिल्ली की हवा 'बेहद खराब', एक्यूआई 304 दर्ज किया गया

नई दिल्ली। राजधानी में तेज हवाओं ने प्रदूषण को कम कर दिया है, लेकिन लोगों को राहत नहीं मिली है। ऐसे में बृहस्पतिवार सुबह की शुरूआत धुंध और हल्के कोहरे से हुई। वहीं, आसमान में स्मॉग की हल्की चादर भी दिखाई दी। इसके चलते दृश्यता भी कम रही। इस दौरान लोग मास्क पहने नजर आए। साथ ही, सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 304 दर्ज किया गया। यह हवा की बेहद खराब श्रेणी है। इसमें बुधवार की तुलना में 38 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। एनसीआर में नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित दूसरी ओर, एनसीआर में नोएडा की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 308 दर्ज किया गया, यह बेहद खराब श्रेणी है। वहीं, गुरुग्राम में 293, गाजियाबाद में 302 और ग्रेटर नोएडा में 285 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा, फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 203 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, वाहन से होने वाले प्रदूषण की हिस्सेदारी 13.74 फीसदी रही। इसके अलावा निर्माण गतिविधियों से 1.89, आवासीय प्रदूषण 3.34 और पेरिफेरल उद्योग से 6.75 फीसदी भागीदारी रही। सीपीसीबी के अनुसार, बृहस्पतिवार को हवा उत्तर पश्चिम दिशा से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 1000 मीटर रही। इसके अलावा, वेंटिलेशन इंडेक्स 5500 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, दोपहर तीन बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 251 और पीएम2.5 की मात्रा 137 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। जानें आगे कैसी रहेगी हवा की सेहत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूवार्नुमान है कि रविवार तक हवा बेहद खराब श्रेणी में ही बरकरार रहेगी।

मोबाइल लूटने के लिए दिल्ली में युवक को चाकुओं से गोदा, ठंड में 8 घंटे तड़पता रहा कैब चालक; मौत

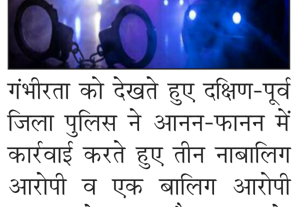

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के निजामुद्दीन थाना क्षेत्र में मोबाइल लूट के लिए बुधवार रात 11 बजे के करीब तीन नाबालिग समेत चार आरोपियों ने कैब चालक रामसिंह (28) को चाकुओं से गोद दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और 7-8 घंटे तक सर्दी में खुले आसमान के नीचे लहुलूहान पड़े रहे। किसी ने पुलिस को सूचना नहीं दी और न ही अस्पताल पहुंचाया। युवक ने वहीं तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया। जानकारी के बाद पुलिस ने राम सिंह के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल में रखवाकर उनके परिजनों को सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस ने आनन-फानन में कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिग आरोपी व एक बालिग आरोपी इमरान को पकड़ा है। इमरान के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने आरोपियों को पकड़ने की पुष्टि की है। अयोध्या के रहने वाले थे रामसिंह पुलिस के अनुसार अयोध्या, यूपी निवासी रामसिंह दिल्ली में कैब चलाता था। टैक्सी उसकी खुद की थी। वह इतना गरीब था कि रात को टैक्सी में ही सोता था। रात 11 बजे के बाद वह बारापूला के पास निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर नाले के पास शौच को गया था। यहां पर उसे चारों आरोपियों ने पकड़ लिया और उसका मोबाइल लूटने लगे। विरोध किया तो उस पर चाकू से करीब 7 से 8 बार वार कर दिए। आरोपी उसका मोबाइल, पैसा लूटकर वहां से भाग गए। बृहस्पतिवार सुबह करीब किसी राहगीर ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस जब तक पहुंची तब तब मृतक राम सिंह की मौत हो चुकी थी। सीसीटीवी कैमरे से हुई आरोपियों की पहचान जिला पुलिस उपायुक्त ने मामले को गंभीरता से लिया और आरोपियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन सेल की टीमों को लगाया। ऑपरेशन सेल की टीमों ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो वह फुटेज में दिखे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अगर घायल का समय से पता लग जाता तो शायद उसकी जान बच जाती। निजामुद्दीन थाना पुलिस ने बालिग आरोपी इमरान को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में भगोड़ा अपराधी मुर्गा गिरफ्तार, रेप-पॉक्सो-हत्या की कोशिश के 4 मामले दर्ज

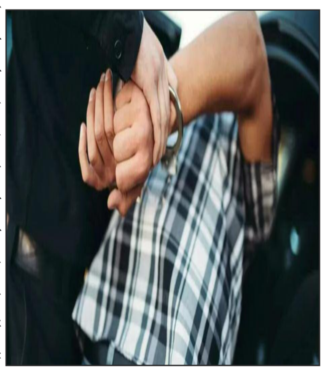

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने राजौरी गार्डन थाना इलाके में हत्या की कोशिश के एक मामले में भगोड़ा घोषित एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान रघुबीर नगर के मोनू उर्फ मुर्गा उर्फ भात्रा के रूप में हुई है, जो पहले हत्या की कोशिश, रेप और पोक्सो एक्ट समेत चार अलग-अलग आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। उसे 2021 में राजौरी गार्डन थाने में दर्ज हत्या की कोशिश के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के लगभग दो महीने बाद कोर्ट ने उसे जमानत दे दी थी। मामले में चार्जशीट दाखिल की गई थी, लेकिन आरोपी ट्रायल के दौरान कभी पेश नहीं हुआ और इस साल फरवरी में कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। डिप्टी कमिश्नर के मुताबिक, आरोपी को पकड़ने के लिए एसीपी गिरीश कौशिक की देखरेख में और इंस्पेक्टर संदीप तुशीर के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई थी। टीम ने आरोपी के ठिकानों से स्थानीय जानकारी इकट्ठा की। इस जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना पता बदल लिया था और दिल्ली के विष्णु गार्डन में कहीं छिपा हुआ था। हेड कांस्टेबल सोहित दहिया से मिली खास जानकारी के आधार पर, टीम ने उसे विष्णु गार्डन में गुरु नानक इलेक्ट्रिकल्स के पास एक रेड के दौरान गिरफ्तार किया। इस तरह उसका नाम "मुर्गा" पड़ा पूछताछ में पता चला कि 2015 में, उस पर पहली बार एक महिला पर हमला करने और रेप करने का केस दर्ज हुआ था। उसी साल, उसने एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न किया, और उसके खिलाफ रेप और पोक्सो एक्ट के तहत एक और केस दर्ज किया गया। उसे फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। वह मुर्गियां बेचता था, जिससे उसका निकनेम "मुर्गा" पड़ा। 2018 में, उसने अपने साथियों के साथ एक आदमी को चाकू मारा और उस पर हत्या की कोशिश का चार्ज लगा। उसे फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में उसे उस केस में बेल मिल गई।

दिल्ली की हवा अभी भी 'गंभीर', अक्षरधाम में एक्यूआई 348, जानें अन्य इलाकों में कैसा है स्तर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में जहरीली धुंध का कहर जारी है। आनंद विहार और अक्षरधाम जैसे इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक 348 दर्ज किया गया है, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, यह स्तर न केवल स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। आनंद विहार इलाके में शुक्रवार सुबह जहरीली धुंध की एक परत ने पूरे शहर को ढक लिया है। सीपीसीबी के मुताबिक, इलाके का एक्यूआई 348 दर्ज किया गया। वहीं दूसरी तरफ अक्षरधाम इलाके में 348, इंडिया गेट पर 267 एक्यूआई दर्ज किया गया है। आईटीओ पर लगे मिस्ट स्प्रे सिस्टम दिल्ली के आईटीओ पर पोल पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम लगाया गया है। जहां प्रदूषण कम करने के लिए ये काम कर रहे हैं। ताकि शहर में जहरीले स्मॉग की परत को कम किया जाए। वहीं इस इलाके में एक्यूआई 319 है, जिसे 'बहुत खराब' कैटेगरी में रखा गया है। तेज हवाओं से थोड़ी राहत राजधानी दिल्ली में तेज हवाओं के चलने से वायु गुणवत्ता में कुछ सुधार देखा गया है, लेकिन यह राहत अस्थायी साबित हो रही है। हवा की गुणवत्ता अभी भी 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी हुई है, जिससे लोगों को सांस संबंधी समस्याओं और आंखों में जलन का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर दिल्ली में कैंसर के बढ़ते मामलों को लेकर सरकार की जिम्मेदारियों पर सवाल उठाए जा रहे हैं। वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार, पर चिंता बरकरार बीते बृहस्पतिवार को दिल्ली की सुबह धुंध और हल्के कोहरे के साथ शुरू हुई, जिसमें आसमान में स्मॉग की एक पतली चादर भी दिखाई दी। इस दौरान वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 304 दर्ज किया गया, जो 'बेहद खराब' श्रेणी में आता है। दोपहर तीन बजे तक हवा में पीएम10 की मात्रा 251 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और पीएम2.5 की मात्रा 137 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के पूवार्नुमान के अनुसार, रविवार तक हवा की गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में ही बने रहने की संभावना है। इसके चलते सांस के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, साथ ही आंखों में जलन जैसी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। एनसीआर में प्रदूषण का स्तर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। नोएडा का एक्यूआई 308, गाजियाबाद का 302, गुरुग्राम का 293 और ग्रेटर नोएडा का 285 दर्ज किया गया। ये सभी आंकड़े 'बेहद खराब' श्रेणी में आते हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका तीसरे एकदिवसीय में आज होंगे आमने-सामने

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। अभी तक ये सीरीज एक-एक से बराबरी पर है। भारतीय टीम ने पहला जबकि दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा मैच जीता था। भारतीय टीम को इस मैच में भी विराट कोहली और रोहित शर्मा से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। विराट ने पहले दोनो एकदिवसीय में शतक लगाये थे जबकि रोहित ने पहले एकदिवसीय में अर्धशतकीय पारी खेली थी। भारतीय टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रन बनाने के बाद भी हार गयी थी। ऐसे में उसके गेंदबाजों को इस बार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को टॉस हारने से भी नुकसान हुआ ऐसे में टीम की कप्तानी कर के एल राहुल उम्मीद करेंगे कि वह टॉस जीत जायें। मैच के पहले पिच और मौसम की भी अहम भूमिका होगी। विशाखापत्तनम का मौसम खेल के लिए उपयुक्त होगा जबकि पिच बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए सहायक होगी। यहां पर 300 से अधिक का लक्ष्य अच्छा माना जाएगा। भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे।

वहीं दूसरी और टेम्बा बावुमा की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका टीम भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। टीम ने दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों का रिकार्ड लक्ष्य हासिल किया था। दक्षिण अफीकी के एडेन मार्क्रम, कॉर्बिन बॉश, क्विंटन डी कॉक जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी की कमान लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन, स्पिनर केशव महाराज के पास रहेगी।

विशाखापत्तनम की पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी मानी जाती है। यह एक ऐसी सतह है जिसपर खिलाड़ी खुलकर शॉट खेल सकते हैं। हालांकि, गेंदबाजों को भी यहां उछाल मिलता है। बल्लेबाज यहां लंबी पारियां खेल सकते हैं।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत : केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यानसन, एडेन मार्क्रम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेल्टन, प्रेनेलन सुब्रायन।

शेफाली वर्मा आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में, इन प्लेयर्स से मिलेगी चुनौती

दुबई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं।

महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इन दोनों ने बैंकॉक में पहली आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था।

यूएई की कप्तान ओझा ने सात टी-20 मैचों में 137.50 की स्ट्राइक रेट से 187 रन बनाए और सात विकेट लिए। उन्हें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। पुथावोंग 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज रहीं। उन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ फाइनल में चार विकेट लेकर थाईलैंड को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

विराट तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगाएंगे : इरफान पठान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले दोनो मैचों में शतक लगाये हैं। ऐसे में अब उम्मीद की जा रही है कि वह शनिवार को विशाखापट्टनम में होने वाले तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगायेंगे। इसी को लेकर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने उम्मीद जतायी है कि कोहली तीसरे एकदिवसीय में भी शतक लगाऐंगे। कोहली ने पहले भी एक बार लगातार तीन शतक लगाये हैं। उन्होंने यह उपलब्धि साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हासिल की थी।

पठान ने कहा, कोहली दो शतक लगा चुके हैं। अब उनके तीसरे मैच में भी शतक की उम्मीद है। ऐसा करना कोई आसान बात नहीं है। हैट्रिक बहुत कठिन काम है हालांकि विराट ये काम कर सकते हैं। वह शानदार फॉर्म में हैं। वह रनों के बहुत भूखे हैं। एक समय था जब कोहली अपने कंधों पर टेस्ट क्रिकेट का पूरा भार को लेकर चल रहे थे। वहीं अब वह एकदिवसीय क्रिकेट को अपने कंधों पर लेकर चल रहे हैं। एकदिवसीय में इससे भीड़ उमड़ती जा रही है। टी20 ने पिछले कुछ सयम में हालात बदल दिये थे। और सभी टी20 में ही कमेंटी तक कहना चाहते थे। उनका कहना था कि एकदिवसीय क्रिकेट बहुत लंबा हो जाता है। प्रशंसकों को भी लंबे समय तब बैठना पड़ा है।

वहीं पिछले दो मैचों में काफी आनंद आया और समय का पता ही नहीं चला। स्टेडियम भरा हुआ था और काफी लोग देखने आ रहे थे। कोहली और रोहित शर्मा के लिए लोगों में जबरदस्त दीवानगी रही। लोग अच्छा क्रिकेट देखने आ रहे हैं। इसी वजह से कोहली पर अच्छे प्रदर्शन की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। इसी कारण उम्मीद है कि वह वह तीसरे मैच में भी शतक लगाएं। उन्होंने दो मैचों में अलग योजनाओं के साथ उतरकर शतकीय पारियां खेलीं। इसका कारण है कि वह हालात के अनुसार खेलने में माहिर हैं।।

स्टेन का बड़ा बयान: 'टॉप ऑर्डर में खेलते तो केएल राहुल बन जाते 'शतक मशीन', टीम की जरूरत समझ निभा रहे भूमिका'

नई दिल्ली (एजेंसी)। केएल राहुल ऐसे बल्लेबाज़ हैं जिसने पिछले दो मुकाबलों में भारत की पारी को निचले क्रम से संभाला है। राहुल के लगातार नाबाद अर्धशतकों ने न सिर्फ टीम को मजबूती दी, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज़ गेंदबाज डेल स्टेन तक को प्रभावित कर दिया हैं। गौरतलब है कि मौजूद जानकारी के अनुसार राहुल अब स्थायी रूप से 5 या 6 नंबर पर खेलते हैं और वहीं से मैच का मोमेंटम बदलने की क्षमता रखते हैं।

स्टेन ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत में कहा कि राहुल कम गेंदों में भी बिल्कुल सही समय पर स्ट्राइक रोटेट करना और अंत में तेज़ी से रन बनाना जानते हैं। बता दें कि रांची में उन्होंने 60 रन बनाए थे और इसके बाद रायपुर में केवल 43 गेंदों पर 66 रन की तेज़ पारी खेली, जिस दौरान उन्होंने डेथ ओवर्स में सटीक शॉट से रन गति को ऊंचा रखा हैं। स्टेन ने यह भी कहा कि यदि राहुल ओपनिंग या नंबर 3 पर बल्लेबाज़ी करते, तो वे और अधिक शतक बना सकते थे, लेकिन टीम की ज़रूरत समझकर अपना रोल निभाना उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

हालांकि रायपुर में भारत 358 रन बनाने के बावजूद मैच हार गया, लेकिन राहुल की पारी को नजरअंदाज नहीं किया जा सका। विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ की शतकीय पारियों के बीच भी राहुल का असर स्पष्ट दिखाई दिया है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्करम के 110 रन की बदौलत यह ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया गया, जिसके बाद अब सीरीज़ 1-1 की बराबरी पर पहुंच चुकी है।

अब विशाखापट्टनम में 6 दिसंबर को निर्णायक मुकाबला खेला जाना है, जहां उम्मीद की जा रही है कि राहुल एक बार फिर अपने शांत, संयमित और तेज़ फिनिशिंग अंदाज़ से अहम भूमिका निभाते नज़र आएंगे।

531 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने बनाये 212/4

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। शाई होप और जस्टिन ग्रिव्स की अच्छी बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में 4 विकेट पर 212 रन बना लिए थे। अब उसे जीत के लिए अंतिम दिन 319 रन और बनाने हैं। वेस्टइंडीज को इस मैच में जीत के लिए 531 रन का बड़ा लक्ष्य मिला है। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं। टीम ने 72 रनों के अंदर ही अपने शीर्ष चार बल्लेबाजों को खो दिया पर इसके बाद होप और ग्रिव्स ने अच्छी बल्लेबाजी कर पारी संभाली। होप और ग्रिव्स ने पांचवें विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी बनायी। होप ने इस दौरान 183 गेंद पर 1 छक्के और 15 चौकों की सहायता से 116 रन बनाये। वहीं ग्रिव्स 143 गेंद पर 6 चौकों की सहायत से 55 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड ने कप्तान टॉम लैथम के 145 और रचिन रवींद्र के 176 रनों की सहायता से अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट पर 466 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से केमार रोच ने 5, ओजे शिल्ड्स ने 2 और जायडन सिल्स ने 1 विकेट लिया। पहली पारी में मिली 64 रन की बढ़त के आधार पर न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 531 रन का लक्ष्य दिया। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में 167 रन बनाये थे।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए अभ्यास में लगी है दीपिका

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला तीरंदाज तीरंदाज दीपिका कुमारी ने कहा है कि उनका लक्ष्य आगामी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करना है। दीपिका ने कहा कि वह इसी को देखते हुए दबाव वाले हालातों से निपटने के लिए मानसिक मजबूती बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। चार बार की ओलंपियन दीपिका के अनुसार लॉस एंजिलिस ओलंपिक में उनके लिए पदक जीतने का अंतिम अवसर होगा। ऐसे में वह अपनी ओर से कोई कमी नहीं रखेंगी। इसी वह इस बार नहीं तो अभी नहीं की मानसिकता के साथ उतरेंगी। दीपिका ने कहा कि अभी निकट भविष्य में उनका संन्यास का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है अब तक की सभी प्रतियोगिताओं से मुझे अच्छा अनुभव मिला है। दीपिका ने बताया कि उनकी वर्तमान ट्रेनिंग में मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं को बेहतर करने पर काम हो रहा है। इस तीरंदाज ने कहा, 'मैं अपने खेल के मानसिक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर काम कर रही हूं और यह प्रीमियर लीग मुझे और बेहतर बनाने में मदद कर रही है। दर्शकों के सामने खेलने से दबाव तो आता है, लेकिन यही दबाव खिलाड़ियों को बेहतर बनाने में मदद करता है। उन्होंने कहा, 'मैं हर तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिश कर रही हूं, जिससे दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन किया जा सके।

सिराज को टीम से बाहर रखे जाने पर आकाश चोपड़ा ने सवाल उठाये

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटार आकाश चोपड़ा ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक ही प्रारुप पर सीमित रखना सही नहीं है। चोपड़ा के अनसार उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में भी रखा जाना चाहिये। उनकी कमी टीम को खल रही है। भारतीय टीम की गेंदबाजी एकदिवसीय सीरीज में उम्मीद के अनुसार नहीं रही है।

टीम दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के भी लक्ष्य का बचाव नहीं कर पायी। इसी को देखते हुए चोपड़ा ने सिराज को सिर्फ टेस्ट में ही उतरने पर सवाल उठाये हैं उन्होंने कहा कि उन्हें ये बिल्कुल समझ में नहीं आ रहा। सिराज को एक ही प्रारुप का खिलाड़ी क्यों बनाया जा रहा है। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, 'ये सिराज के साथ क्या हो रहा है, ये आपको समझ में आ रहा है? मेरी समझ में तो बिल्कुल नहीं आ रहा है। मुझे ये बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा कि वह एक प्रारुप का खिलाड़ी कैसे बन गया हैं। वैसे ये हुआ कब? क्योंकि जब वह टेस्ट क्रिकेट खेलता है तो हम सब उनकी तारीफ करते हैं। हम उसके जज्बे और जुनून की तारीफ करते है!' उन्होंने साथ ही कहा, 'वह विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं पर अचानक ही एकदिवसीय टीम से क्यों बाहर रखे गये हैं ये समझ से परे है? इस समय वह घरेलू क्रिकेट खेल रहा है पर एकदिवसीय का हिस्सा नहीं हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में भी उसे शामिल नहीं किया गया था हालांकि उसने एकदिवसीय प्रारुप में भी काफी विकेट लिए हैं। ये हैरानी की बात है कि अन्य सभी खेल रहे हैं पर सिराज को अवसर नहीं मिला है, इसके पीछे क्या कहानी है ये मुझे समझ नहीं आई है। सिराज ने अब तक 47 एकदिवसीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 73 विकेट हैं। एकदिवसीय में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 21 रन देकर 6 विकेट हैं। उन्होंने अब तक केवल 16 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 14 विकेट दर्ज हैं। वहीं 45 टेस्ट में उनके नाम 139 विकेट दर्ज हैं।

2027 विश्वकप तक अपना करियर बढ़ा सकते हैं विराट और रोहित : साउदी

शारजाह (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज टिम साउदी ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि ये दोनो ही फिट हैं और 2027 विश्वकप तक खेल सकते है। साउदी के अनुसार उम्र इनके लिए बाधा नहीं बन सकती क्योंकि दोनो ही लय में हैं और रन बना रहे हैं। साथ ही कहा कि अगर दोनो इसी प्रकार खेलते रहे तो अपने करियर को विश्वकप तक खींच सकते हैं। दोनो ने ही टी20 और टेस्ट प्रारुप से संन्यास ले लिया है और अब एकदिवसीय पर ही ध्यान दे रहे हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातकर दो मैचों में शतक लगाये हैं जबकि वहीं रोहित ने भी पिछले तीन मैचों में एक शतक और एक अर्धशतक के साथ ही दिखाया है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट शेष है।

साउदी ने आईएलटी20 के चौथे सत्र के अवसर पर कहा, 'कोहली शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह 37 साल की उम्र में भी प्रदर्शन कर रहे हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, '37 के रोहित ने भी हाल में ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाया था तो वे दोनों अब भी प्रदर्शन कर रहे हैं। जब तक वे टीम के लिए योगदान दे रहे हैं, जहां तक मेरा माना है कि उम्र केवल एक संख्या है।' 2027 विश्व कप में दोनों बल्लेबाज लगभग 39 साल के होंगे इसलिए उनके भविष्य को लेकर चर्चा लगातार जारी है।

साउदी ने कहा, 'ये उनका फैसला है। अगर उन्हें लगता है कि वे अब भी उच्चतम स्तर पर खेल सकते हैं तो क्यों नहीं।' उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने कहा कि आपके पास विराट कोहली हैं जो शायद अब तक के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं और अगर वह विश्व कप के लिए उपलब्ध हैं तो मुझे लगता है कि टीम उन्हें खेलते देखना चाहेगी।'

भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 25 वर्षों में पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इस दौरान भी टीम को रोहित और विराट की कमी खली। साउदी ने हालांकि भारत की हार को अधिक गंभीर रूप में नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है। अब वे फिर से टीम बनाने के चरण में हैं। जब हम वहां गए थे तब उनके पास बहुत अनुभव वाली टीम थी।' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन जब आप रोहित, अश्विन और आर अश्विन को हटा देते हैं, तो प्रभाव पड़ना ही है।'

एफसी गोवा मुंबई सिटी को हराकर AIFF सुपर कप के फाइनल में पहुंचे

फातोरदा (गोवा)। एफसी गोवा ने यहां पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक रोमांचक सेमीफाइनल में मुंबई सिटी एफसी को 2–1 से हराकर तीसरी बार एआईएफएफ सुपर कप फाइनल में जगह बनाई। डिफेंडिंग चैंपियन को अपनी पूरी ताकत लगानी पड़ी, लेकिन गुरुवार रात ब्रिसन फर्नांडिस (20') और डेविड टिमोर (23') के पहले हाफ में किए गए दो शुरुआती गोल ईस्ट बंगाल के साथ फाइनल मुकाबले के लिए काफी साबित हुए। मुंबई सिटी एफसी, जिसने दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की और ब्रेंडन फर्नांडिस के गोल से एक गोल कम किया, इस टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल से बाहर हो गई। मैच शुरू होने से पहले ही काफी ड्रामा हुआ, जब एफसी गोवा के कप्तान इकर गुआररत्सेना को टनल में मैच से पहले हुई एक घटना के लिए बाहर कर दिया गया, और आखिरी मिनट में जेवियर सिवेरियो को स्टार्टिंग इलेवन में उनकी जगह शामिल किया गया। अपने लीडर को खोने के बावजूद गोवा ने अपना हौसला नहीं खोया और जीत हासिल की।

ब्रेविस आक्राम पारी से मैच बदलने में सक्षम : स्टेन

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस की जमकर प्रशंसा की है। स्टेन के अनुसार ब्रेविस अपनी आक्रामक पारी से मैच बदलने में सक्षम हैं औ ये उन्होंने एक बार फिर भारतीय टीम के खिलाफ हुए दूसरे मैच में खेली अपनी पारी से साबित किया है। ब्रेविस ने इस मैच में 34 गेंदों पर पांच छक्कों की सहायता से 54 रन बनाये। स्टेन ने कहा कि ब्रेविस में छक्के मारने की जबरदस्त क्षमता है, ब्रेविस और उनकी छक्के मारने की योग्यता के बारे में कुछ समय से बहुत बातें हो रही हैं। उनके अंडर–19 में रहने के दिनों से ही हमने उनकी प्रतिभा को देखा है। साथ ही कहा कि मैं उनके बारे में सुनता रहता था और उन्हें छक्के मारते हुए देखता था। अब हम इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने लगे हैं। उनमें वह क्षमता है, और बल्लेबाज अब गेंद छोड़ना नहीं चाहते। उनमें बड़े शॉट लगाने की क्षमताएं हैं। स्टेन ने कहा, 'वे इसी तरह ट्रेनिंग करते हैं। उनके पास हर गेंद पर छक्के मारने के विकल्प हैं। ब्रेविस भविष्य है। वह सिर्फ 22 साल का है। अगर वह अपने करियर के इस स्टेज पर 359 रन का पीछा करने में माहिर है, तो सोचिए 8 या 10 साल में यह कैसा होगा। यह नॉर्म बन सकता है।

इस वर्ष गूगल पर सबसे अधिक सर्च हुआ क्रिकेट

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर इस वर्ष सर्च इंजन गूगल पर क्रिकेट के विभिन्न प्रारूपों एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी, महिला क्रिकेट विश्वकप और इंडियन प्रीमियर लीग (ढ्ढक्क) की दो टीमों को सबसे अधिक खोजा गया। शुक्रवार को जारी हुई इस रिपोर्ट में एथलीट, स्पर्धा और टीमों के बीच टॉप ट्रेंडिंग ग्लोबल सर्च का प्रमुख आकर्षण रहे क्रिकेट के बढ़ते डिजिटल फुटप्रिंट देखने को मिला। यह खेल लॉस एंजेलिस 2028 में ओलंपिक में वापसी करने वाला है। एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 दूसरे से चौथे स्थान पर रहे। ये तीनों टूर्नामेंट भारतीय क्रिकेट टीमों ने जीते। एशिया कप 2025 ने तीन भारत बनाम पाकिस्तान मैचों के बाद हुआ रोमांचक फाइनल भी शामिल था जिसका फैसला आखिरी ओवर में हुआ, यह सब तिलक वर्मा की मैच जिताने वाले प्रयास की वजह से काफी सुर्खियां में रहा। आठ साल के अंतराल के बाद हुई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब फिर से हासिल किया। महिला क्रिकेट विश्व कप में, भारत ने अपना पहला ग्लोबल खिताब जीता। यह देश में महिला खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल था। इस बीच, गूगल पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले स्पोर्ट्स टीमों की रैंकिंग में दो आईपीएल फ्रेंचाइजी 'पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स' टॉप पांच में शामिल हो गईं। क्रिकेट के अलावा, फुटबॉल और गोल्फ ने भी अपनी मजबूत मौजूदगी बनाए रखी। फीफा क्लब विश्वकप स्पोर्ट्स स्पार्धा कैटेगरी में टॉप पर रहा, जबकि राइडर कप टॉप पांच में शामिल था। एथलीट कैटेगरी में, सर्च में अमेरिकी बॉक्सर टेरेंस क्रॉफर्ड सबसे आगे रहे, उसके बाद उत्तरी आयरलैंड के गोल्फर रोरी मैकलॉय का नंबर आया। अमेरिकी फुटबॉल स्टार शेड्यूर सैंडर्स, जालेन हर्ट्स और कनाडाई बास्केटबॉल खिलाड़ी शाई गिलजियस–अलेक्जेंडर ने शीर्ष पांच में रहे।

'शमी कहां हैं, आखिर क्यों नहीं खेल रहे', लगातार अनदेखी पर दिग्गज गेंदबाज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में तेज गेंदबाजी की रीढ़ माने जाने वाले मोहम्मद शमी एक बार फिर चयन को लेकर विवाद के केंद्र में हैं। मार्च 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से शमी को किसी भी भारतीय स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और बेहतरीन फिटनेस दिखाने के बावजूद राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी न होना कई दिग्गजों को खटक रहा है। खासकर पूर्व ऑफ-स्पिनर हरभजन सिंह ने खुलकर सवाल उठाते हुए कहा है कि इतने अनुभवी और मैच-विनिंग गेंदबाज को लगातार बाहर रखना टीम की सोच पर सवाल खड़ा करता है।

शमी की गैरमौजूदगी पर हरभजन सिंह का तीखा सवाल

हरभजन सिंह लंबे समय से क्रिकेट के मामलों पर अपनी साफ राय रखने के लिए जाने जाते हैं। रायपुर वनडे के बाद अपने चैनल पर उन्होंने पूछा, 'शमी कहां हैं? आखिर क्यों नहीं खेल रहे?' उन्होंने इशारा किया कि शमी जैसे प्रूवन मैच-विनर को एकदम से टीम से दूर कर देना भारतीय चयन प्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। शमी ने पिछले एक दशक में टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए निर्णायक प्रदर्शन दिया है। ऐसे में एक फिट और फॉर्म में गेंदबाज को नजरअंदाज करना ना सिर्फ टीम की गहराई को कम करता है बल्कि अनुभव की कमी भी पैदा करता है।

घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी, फिर भी चयन से दूर

35 वर्षीय मोहम्मद शमी इन दिनों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में बेहतरीन लाइन-लेंथ, स्विंग और डेथ ओवरों में सटीक गेंदबाजी के साथ यह साबित कर दिया कि वह अभी भी शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके बावजूद चयन समिति ने उन्हें किसी भी सीरीज के लिए शामिल नहीं किया, जिससे यह सवाल और मजबूत हो गया है कि उनके बाहर रहने की वजह तकनीकी है, चयन नीति है या कुछ और।

क्या टीम इंडिया अनुभव की अनदेखी कर रही है?

हरभजन का मानना है कि भारत बुमराह जैसे स्टार बॉलर पर अत्यधिक निर्भर हो गया है, जबकि टीम को चाहिए कि वह बुमराह की अनुपस्थिति में भी जीतने की कला विकसित करे। ऐसे में शमी जैसे वरिष्ठ गेंदबाज को मौका देना टीम संयोजन के लिए बेहद जरूरी है। उनकी विविधताओं रिवर्स स्विंग, लेट मूवमेंट और डेथ-ओवर विशेषज्ञता का कोई विकल्प आसानी से नहीं मिलता।

क्या चयनकर्ताओं को शमी को नई भूमिका देने की जरूरत है?

कई विशेषज्ञ मानते हैं कि शमी को पूर्णकालिक नहीं तो सीमित मैचों में रोटेशनल भूमिका दी जा सकती है। भारत को युवा गेंदबाजों को तैयार करना चाहिए, लेकिन सीनियर खिलाड़ियों को भूलकर नहीं। ड्रेसिंग रूम में शमी की उपस्थिति ही युवा तेज गेंदबाजों के लिए सीख का एक बड़ा स्रोत है।

ऋचा चड्ढा ने बताया कैसे बदली अपनी जिंदगी और सोच

बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा आज अपनी निडर आवाज, बेबाक बयानों और मजबूत व्यक्तित्व के लिए पहचानी जाती हैं, लेकिन अभिनेत्री का कहना है कि वे हमेशा से ऐसी नहीं थीं। मुंबई में आयोजित 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट में उन्होंने अपने शुरुआती संघर्षों और उस दौर के दर्दनाक अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि एक समय ऐसा भी था जब वे बेहद डरपोक, समझौतावादी और खुद को कम आंकने वाली इंसान बन चुकी थीं। आज भले ही लोग उन्हें आत्मविश्वास और साहस की प्रतीक मानते हैं, लेकिन पर्दे के पीछे का सच बिल्कुल अलग था। ऋचा ने एक घटना याद करते हुए बताया कि करियर की शुरुआत में उन्हें कई ऐसे काम स्वीकार करने पड़े जिन्हें करने में उन्हें असहजता महसूस होती थी। उन्होंने कहा, 'एक दिन मैं सेट पर खड़ी थी और मैंने खुद से पूछा मैंने ये फिल्म कब साइन की? मैं यहाँ क्या कर रही हूँ? मैं इस आइटम नंबर में क्यों हूँ? मुझे खुद समझ नहीं आ रहा था कि मैं कहाँ और कैसे फँस गई हूँ।' उन्होंने बताया कि एक डायरेक्टर ने उनसे कहा था कि मेल कोरियोग्राफर चाहिए और तुम्हें 'ऐसे-वैसे' करना है। यह सुनकर वे अंदर से टूट गईं और सोचने लगीं कि आखिर वे यहाँ तक कैसे पहुँच गईं। उन्हें बाद में अहसास हुआ कि किसी लोकल मैनेजर ने कुछ पैसे लेकर गलत रास्ते पर धकेल दिया था।

अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में कई लोग उनकी बाहरी सुंदरता पर टिप्पणी करते थे और उन्हें बदलने की सलाह देते थे। ऋचा ने कहा, 'मुझसे कहा जाता होंठ ठीक करवा लो, नाक ठीक करवा लो, चेहरे पर सुधार करवाओ, गाना शूट करने से पहले पानी मत पीना। मैं हर बात मान लेती थी। मैं अपने शरीर और दिमाग को बहुत चोट पहुँचा चुकी थी। मैं खुद से कहती थी मैं बेकार हूँ, मैं अच्छी नहीं हूँ।' उन्होंने बताया कि मनोरंजन जगत में कई लोग दूसरों को छोटा महसूस करवाकर खुद को बड़ा साबित करने की कोशिश करते हैं।

अपने बदलाव की प्रक्रिया पर बात करते हुए ऋचा ने कहा कि अपनी आवाज उठाना उन्होंने धीरे-धीरे सीखा। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने खुद को स्वीकार करना शुरू किया, तब उन्हें समझ आया कि किसी भी कीमत पर आत्मसम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता। आज वे मानती हैं कि किसी कलाकार का सबसे बड़ा साहस अपनी सच्चाई पर डटे रहना होता है, चाहे दुनिया कुछ भी कहे। हाल ही में ऋचा चड्ढा और अली फजल के प्रोडक्शन हाउस पुशिंग बटन्स स्टूडियोज में बनी फिल्म 'सीक्रेट्स ऑफ ए माउंटेन सर्पेंट' का 82वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड प्रीमियर हुआ, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है।

फिल्म 'तेरे इश्क में' की सफलता पर भावुक हुईं कृति सेनन

कृति सेनन और धनुष की ताज़ा रिलीज़ फिल्म 'तेरे इश्क में' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। दर्शकों के प्यार और बेहतरीन कमाई ने फिल्म की टीम का उत्साह बढ़ा दिया है। खासकर कृति सेनन की एक्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है, जिसके बाद फैंस अभिनेत्री को हिंदी सिनेमा की उभरती हुई और दमदार परफॉर्मर बता रहे हैं। फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए किरदार 'मुक्ति' को दर्शकों और समीक्षकों दोनों से खूब सराहना मिल रही है। इसी फैन लव को महसूस करते हुए कृति सेनन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें कई इंफ्लुएंसर्स और फिल्म क्रिटिक्स उनकी एक्टिंग की खुलकर तारीफ करते दिखाई दे रहे हैं। उनका कहना है कि मुक्ति का किरदार कई परतों वाला और भावनात्मक रूप से बेहद पेचीदा था, जिसे कृति ने न सिर्फ ईमानदारी से निभाया, बल्कि पर्दे पर उसे जीवंत बना दिया। कई समीक्षा देने वालों का यह भी मानना है कि इस रोल को कृति जितनी बारीकी और संवेदनशीलता के साथ कोई और अभिनेत्री निभा ही नहीं पाती। इतनी भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ देखकर कृति सेनन खुद भी भावुक हो गईं और उन्होंने दिल से अपने दर्शकों का धन्यवाद किया। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'मेरा दिल भर आया है। एक अभिनेता के लिए सबसे अच्छा एहसास तब होता है जब दर्शक आपके किरदार के अनकहे शब्दों के बीच की हर छोटी-छोटी भावना से जुड़ जाते हैं। मुक्ति शायद मेरे द्वारा निभाए गए किरदारों में सबसे ज्यादा पेचीदा किरदार है, और जब उसके दिल की हर धड़कन आपके दिल तक पहुंचती है, तो वो इश्क बन जाता है! इश्क के लिए शुक्रिया।' फिल्म में कृति की भूमिका मुक्ति नाम की लड़की की है, जिसकी जीवन यात्रा कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरती है और हर मोड़ पर उसका किरदार और ज्यादा मजबूत बनकर उभरता है। किरदार की गहराई को समझकर उसे जीवंत बनाने के लिए कृति ने काफी मेहनत की। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्म का क्लाइमेक्स शूट करना उनके लिए बेहद थका देने वाला था। पाँच से छह दिनों तक लगातार इंटेंस सीन्स शूट करने के बाद वे शारीरिक और मानसिक रूप से थक जाती थीं और वह भावनाएँ घर जाकर भी दिमाग में बनी रहती थीं। वहीं फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने पहले दिन हिंदी बेल्ट में 15.06 करोड़ रुपये की कमाई कर मजबूत शुरुआत की है। मीडिया रिपोर्ट्स का कहना है कि आने वाले दिनों में यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। दर्शकों का प्यार और सराहना देखने के बाद अब उम्मीद है कि 'तेरे इश्क में' लंबे समय तक थियेटर्स में अपनी चमक बनाए रखेगी।

फिर सिल्वर स्क्रीन पर साथ नजर आ सकते है रणबीर-दीपिका

लगभग एक दशक बाद बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर और दीपिका पादुकोण एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर साथ नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि यह प्रोजेक्ट बॉलीवुड के शोमैन राज कपूर की विरासत से जुड़ा हुआ है, और 'ये जवानी है दीवानी' तथा 'ब्रह्मास्त्र' फेम निर्देशक अयान मुखर्जी इसे निर्देशित करने की तैयारी में हैं। पिछले कुछ समय से दीपिका पादुकोण लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। 8 घंटे की शिफ्ट के विवाद के बाद उन्हें 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से बाहर कर दिया गया था। वहीं उन्होंने शाहरुख खान की आगामी फिल्म 'किंग' में अपनी एंट्री की घोषणा की है। दूसरी ओर रणबीर कपूर 'रामायणम्' को लेकर जोरदार चर्चाओं में हैं। कुछ महीनों पहले दोनों एक साथ नजर आए थे, जिसके बाद से ही उनके रीयूनियन की चर्चा गर्म है। रिपोर्ट्स का दावा है कि दीपिका और रणबीर जल्द ही फिर स्क्रीन स्पेस साझा करते दिखाई देंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अयान मुखर्जी 1956 की सुपरहिट फिल्म 'चोरी चोरी' से प्रेरित एक आधुनिक रूपांतरण बनाने की योजना बना रहे हैं। इस क्लासिक फिल्म में रणबीर कपूर के दादा राज कपूर और महान अभिनेत्री नरगिस ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई थीं। बताया जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट कोई सीधा रीमेक नहीं होगा, बल्कि इसमें एक समकालीन टच जोड़ा जाएगा ताकि नई पीढ़ी इससे सीधे तौर पर जुड़ सके, जबकि मूल कहानी की भावनात्मक आत्मा को बरकरार रखा जाएगा। यह रणबीर कपूर के लिए भी बेहद भावुक अनुभव होने वाला है, क्योंकि यह फिल्म उनके दादाजी की याद और पारिवारिक विरासत को सम्मान देने जैसा होगा।

परिवार ने हर कठिन समय में आगे बढ़ने का हौसला दिया: निहारिका

हाल ही में साउथ इंडस्ट्री की युवा अभिनेत्री और निर्माता निहारिका कोनिडेला ने अपने करियर, चुनौतियों और परिवार से मिलने वाले मजबूत समर्थन के बारे में विस्तार से बात की। एक इंटरव्यू में निहारिका ने विशेष रूप से अपने चाचा पवन कल्याण और भाई राम चरण द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को अपनी सफलता का अहम आधार बताया है। उनका कहना है कि परिवार की मौजूदगी ने न सिर्फ उनके फैसलों को मजबूत बनाया, बल्कि हर कठिन समय में आगे बढ़ने का हौसला भी दिया। एक बातचीत में जब निहारिका से पूछा गया कि पवन कल्याण और राम चरण उनके जीवन और करियर में कितने महत्वपूर्ण हैं, तो उन्होंने कहा, 'उनके समर्थन से मुझे असाधारण शक्ति मिलती है। मुझे पता है कि वे बिना कुछ कहे भी हमेशा मेरे साथ खड़े रहते हैं।

उनके अनुभव और उनके काम करने का अनुशासन मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनका मार्गदर्शन अमूल्य है, जिसे मैं अपनी रोजमर्रा की जिंदगी और काम में अपनाती हूं।'

निहारिका ने स्वीकार किया कि कोनिडेला परिवार का हिस्सा होना गौरव की बात है, लेकिन इसके साथ बड़ी जिम्मेदारी और दबाव भी जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि चिरंजीवी, पवन कल्याण और राम चरण जैसी दिग्गज हस्तियों वाले परिवार से आने के कारण लोगों की उम्मीदें उनसे हमेशा ऊंची रहती हैं। हालांकि, वह इस दबाव को बोझ नहीं मानतीं, बल्कि इसे अपने प्रदर्शन में उत्कृष्टता लाने का प्रेरक माध्यम मानती हैं। उनके अनुसार, हर फिल्म के सेट पर कदम रखते समय उनका एक ही लक्ष्य होता है अपने परिवार और दर्शकों को गर्व महसूस कराना। अपने फैंस के प्यार को लेकर भी निहारिका काफी भावुक दिखीं। उन्होंने कहा, 'दर्शकों ने हमेशा मुझे अपने परिवार की तरह प्यार दिया है। जब आपको इतनी सुरक्षा और विश्वास मिलता है, तो आप अपने काम को और बेहतर ढंग से कर पाते हैं। मैं इस समर्थन के लिए हमेशा आभारी रहूंगी।' निहारिका ने अभिनय के साथ-साथ प्रोडक्शन में भी सफलता हासिल की है और कई युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वह मानती हैं कि स्वतंत्र पहचान बनाने के लिए निरंतर मेहनत, ईमानदारी और सीखने का जुनून जरूरी है।

फातिमा सना शेख ने एआई के दौर में खोती संवेदनशीलता पर जताई चिंता, बोलीं 'शब्द बहुत कीमती हैं'

मुंबई में आईएफपी फिल्म फेस्टिवल सीजन-15 की धमाकेदार शुरुआत हो चुकी है। इस मौके पर अभिनेता विजय वर्मा और अभिनेत्री फातिमा सना शेख भी शिरकत करने पहुंचे। यहां फातिमा ने अपनी नई फिल्म 'गुस्ताख इश्क' के अनुभव के साथ-साथ आज के डिजिटल दौर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि तेज़ी से बदलते तकनीकी समय में भावनाओं को व्यक्त करने की नजाकत और संवेदनशीलता धीरे-धीरे खोती जा रही है। फातिमा सना शेख ने एक बातचीत में कहा कि एआई भले ही दुनिया को आगे की तरफ ले जा रहा हो, लेकिन इसके चलते इंसानी एहसास और शब्दों की गहराई कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले लोग एक-दूसरे को हाथ से लिखे चिट्ठी-पत्र और कविताएँ भेजा करते थे। वे पत्र सिर्फ शब्दों का मेल नहीं, बल्कि भावनाओं का खजाना होते थे, जिन्हें पढ़कर दिल में एक विशेष एहसास जाग उठता था। आज की पीढ़ी उस खूबसूरत दौर से दूर होती जा रही है। फातिमा ने कहा, 'आज एआई के जमाने में हम खुद से सोचना ही बंद करते जा रहे हैं। चाहे भाषा हिंदी हो या अंग्रेजी, अगर आपके विचार स्पष्ट नहीं हैं, तो आप दिल की बात कैसे साफ-साफ कह पाएंगे? शब्द बहुत कीमती हैं। लेटर लिखना, कविता लिखना आज भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि इसी से हमारी सोच गहरी और सटीक बनती है।' फातिमा की फिल्म 'गुस्ताख इश्क' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ विजय वर्मा और नसीरुद्दीन शाह नजर आए हैं। अभिनेत्री ने नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करते हुए अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके साथ अभिनय करना उनके लिए भावनात्मक रूप से बेहद गहरा अनुभव रहा। उन्होंने कहा, 'मैंने मन ही मन कई बातें सोच रखी थीं क्या नसीर साहब मेरे काम को जज करेंगे? क्या उन्हें मेरी एक्टिंग में कमी लगेगी? एक दिन एक इमोशनल सीन था जिसमें मुझे रोना था, लेकिन उनके सामने मुझसे कुछ भी नहीं हो पा रहा था। मैं डर और चिंता में फंस गई थी।' इसके बाद नसीरुद्दीन शाह चुपचाप उनके पास आए। फातिमा ने बताया, 'उन्होंने मेरी नब्ज पकड़ ली। कुछ देर बाद कहा 'इस पल में जियो, ज्यादा मत सोचो।' जैसे ही उन्होंने यह कहा, मेरी सारी घबराहट दूर हो गई। उनकी बात मेरे दिल को छू गई और सीन स्वाभाविक रूप से हो गया।' फातिमा के इन अनुभवों ने दर्शाया कि सिनेमा सिर्फ कला नहीं, बल्कि संवेदनाओं और इंसानी जुड़ाव से बना माध्यम है। डिजिटल शोर के बीच शब्दों की सादगी और भावनाओं की गहराई को बचाए रखना आज भी उतना ही जरूरी है, चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए।

अनन्या पांडे का नया ग्लैमरस अंदाज़ हुआ वायरल

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे एक बार फिर दर्शकों को रोमांस और संगीत से भरपूर मनोरंजन देने के लिए तैयार हैं। वे जल्द ही अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी, जिसकी चर्चाएँ अब तेज़ हो गई हैं। हाल ही में अनन्या ने सोशल मीडिया पर फिल्म के टाइटल ट्रैक की शूटिंग के दौरान अपने कुछ शानदार लुक्स की तस्वीरें शेयर कीं, जिनके बाद इंटरनेट पर उनका ग्लैमरस अंदाज़ तेजी से वायरल होने लगा।

अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा, 卐फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के टाइटल ट्रैक के मेरे कुछ पसंदीदा लुक्स। क्या आपने अभी तक टाइटल ट्रैक देखा? मेरी ग्लैम और फैशन टीम को ढेर सारा प्यार।卐 तस्वीरों में अनन्या बेहद आकर्षक और स्टाइलिश दिखाई दे रही हैं। अलग-अलग आउटफिट्स में उनका लुक देखने लायक है कहीं वह मॉडर्न एथनिक वियर में दिखती हैं, तो कहीं बिल्कुल वेस्टर्न स्टाइल में। हर फ्रेम में उनका मेकअप, हेयरस्टाइल और कॉस्ट्यूम परफेक्शन का अहसास कराते हैं, जो उनके फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्ट किए जाने के कुछ ही मिनटों के भीतर इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने उनकी तारीफों की झड़ी लगा दी। अभिनेत्री उर्मिला मंतोडकर, महीप कपूर और नव्या नवेली नंदा ने फायर इमोजी के साथ प्रतिक्रिया देते हुए उनकी खूबसूरती और स्टाइल की सराहना की। कमेंट सेक्शन में फैंस ने भी हार्ट और फायर इमोजी की बरसात कर दी, जिससे यह पोस्ट ट्रेंड करने लगी।

गौरतलब है कि अनन्या और कार्तिक आर्यन लगभग छह साल बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। इससे पहले दोनों ने वर्ष 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'पति पत्नी और वो' में साथ काम किया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक बार फिर यह जोड़ी रोमांटिक केमिस्ट्री के साथ स्क्रीन पर लौटने वाली है, जिसको लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है।

समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म 25 दिसंबर को क्रिसमस के दिन रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि इसी दिन अगस्त्य नंदा की फिल्म 'इक्कीस' भी रिलीज होने वाली है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। यह देखना होगा कि दर्शक रोमांटिक लव स्टोरी की ओर आकर्षित होते हैं या देशभक्ति पर आधारित कहानी उनकी पसंद बनती है। इसके अतिरिक्त, अनन्या पांडे अभिनेता लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में भी दिखाई देंगी, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। यह एक खूबसूरत प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म बताई जा रही है।

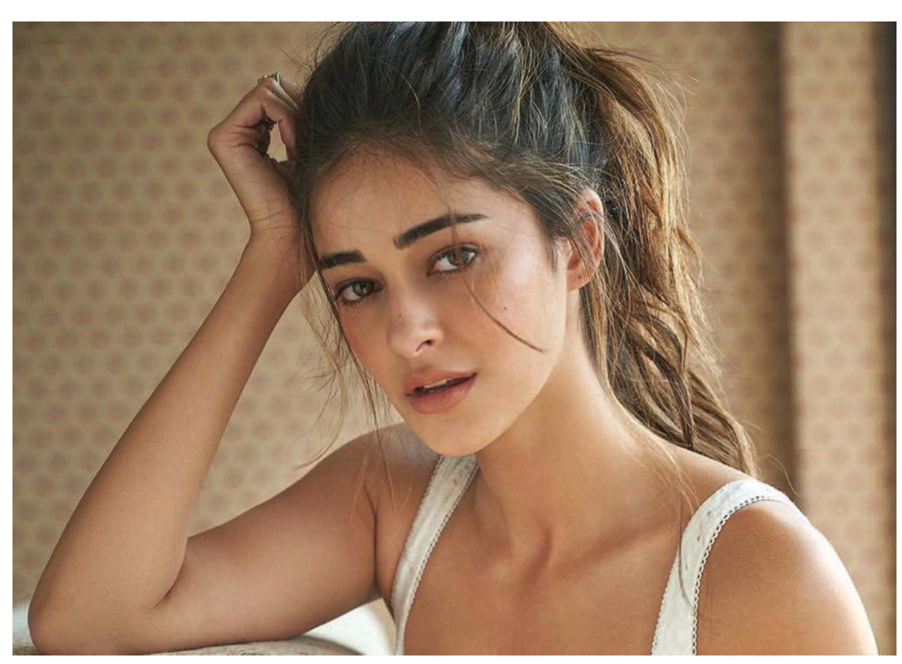

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।